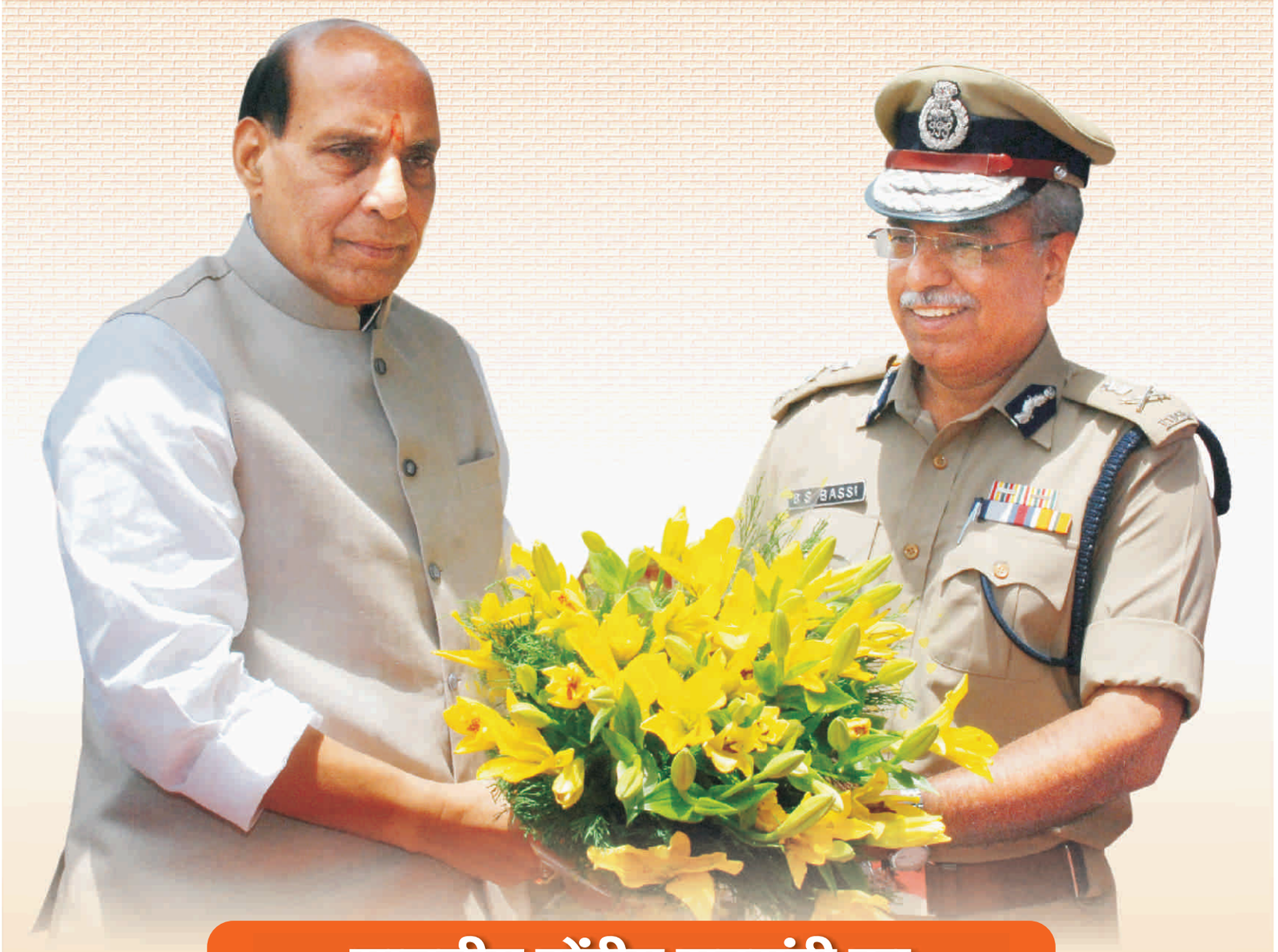
दिल्ली पुलिस समाचार

अंक 98 मई-जून 2014 पंजी० सं० आर-43037/85 दिल्ली पुलिस की घरेलू पत्रिका



माननीय केंद्रीय गृहमंत्री का पुलिस मुख्यालय दौरा (16 जून, 2014)

केन्द्रीय गृह मंत्री श्री राजनाथ सिंह पुलिस मुख्यालय में गार्ड ऑफ ऑनर से सम्मानित


गार्ड ऑफ ऑनर लेते हुए।


गार्द का निरीक्षण करते हुए।


केन्द्रीय पुलिस नियंत्रण कक्ष की कार्यप्रणाली की जानकारी लेते हुए



महिला हैल्पलाइन के बारे में जानकारी लेते हुए गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह

फोटो : रोज़ार

केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने 16 जून, 2014 को पुलिस मुख्यालय का दौरा किया। इस अवसर पर केन्द्रीय गृह सचिव श्री अनिल गोस्वामी भी उनके साथ थे। पुलिस मुख्यालय पहुंचने पर पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी सहित उपस्थित सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। तत्पश्चात् पुलिस मुख्यालय प्रांगण में उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने अपने अन्य सहयोगी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों का गृह मंत्री महोदय से परिचय कराया। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा, श्री जे.के. शर्मा, श्री ताज हसन, श्री मुक्तेश चन्द्र, श्रीमती एस. सुन्दरी नंदा, श्री एस.बी.के.सिंह तथा संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री एस.के. गौतम** सहित काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने केन्द्रीय पुलिस कंट्रोल रूम (CPCR) एवं इंटीग्रेटिड कमांड कंट्रोल कॉआर्डिनेशन एंड कम्यूनिकेशन (C4-I) का निरीक्षण किया। विशेष पुलिस आयुक्त (परिचालन) श्रीमती एस.सुन्दरी नंदा ने गृहमंत्री महोदय को सीपीसीआर, सी4आई तथा महिला हेल्प लाइन 1091 के बारे में विस्तार से बताया। इसके साथ ही पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने दिल्ली पुलिस द्वारा जनहित में शुरू की गई ''लॉस्ट रिपोर्ट'' की सफलता तथा अभी हाल में यातायात पुलिस द्वारा शुरू की गई मोबाइल एप की विशेषताओं के बारे में बताया।

पुलिस मुख्यालय स्थित कॉफ्रेंस हाल में गृहमंत्री ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की। जिसमें दिल्ली से जुड़े विभिन्न मुद्दो पर चर्चा करने के साथ–साथ दिल्ली की कानून व्यवस्था के बारे में विचार–विमर्श हुआ। उन्होंने कहा कि दिल्ली में कानून–व्यवस्था को और बेहतर बनाने व महिलाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता सूची में प्रधानता दी जानी चाहिए। दिल्ली पुलिस के आधुनिकीकरण की प्रक्रिया में केन्द्र से जो भी अपेक्षाएँ होंगी गृह मंत्रालय उन्हें पूरा करने का हर संभव प्रयास करेगा। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस द्वारा जो भी प्रस्ताव गृह मंत्रालय में भेजे जायेंगे उन पर गहनता के साथ विचार किया जायेगा।

पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने दिल्ली पुलिस की कार्यशैली, उसकी उपलब्धियों, क्षमताओं एवं आपराधिक आंकड़ों की विस्तृत जानकारी देने के साथ–साथ पुलिस विभाग की जरूरतों, योजनाओं एवं समस्याओं की तरफ गृहमंत्री महोदय का ध्यान आकर्षित कराया। श्री बस्सी ने दिल्ली में होने वाले अपराधों के तरीकों और उनसे निपटने के इंतजामों के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

इस मौके पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह ने कहा कि दिल्ली पुलिस व गृह मंत्रालय के बीच तालमेल को मजबूत करने, दिल्ली पुलिस की योजनाओं व समस्याओं पर गंभीरता के साथ सकारात्मक विचार करने, दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा के लिए और अधिक कारगर कदम उठाने जैसे मुद्दों पर बैठक के दौरान विचार–विमर्श हुआ है। उन्होंने बताया कि दिल्ली में महिलाऐं स्वयं को महफूज़ और सम्मानित महसूस करें ऐसा



पुलिस मुख्यालय स्थित सम्मेलन कक्ष में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बातचीत करते हुए गृहमंत्री

वातावरण स्थापित किया जाना चाहिए। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक शुरू करने से पूर्व गृहमंत्री महोदय ने 14 जून की घटना पर दुख व्यक्त करते हुए ड्यूटी के दौरान कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राण न्यौछावर करने वाले दिवंगत सिपाही माना राम की याद में एक मिनट का मौन धारण कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की।



यातायात पुलिस के सिपाही मानाराम की दुःखद मृत्यु पर एक मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि देते हुए गृहमंत्री एवं वरिष्ठ पुलिस अधिकारी



केन्द्रीय गृहमंत्री श्री राजनाथ सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी

मालवीय नगर स्थित पीटीएस परिसर में पैट्रोल पम्प व सैंट्रल पुलिस कैन्टीन का उद्घाटन



13 जून, 2014 को **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने मालवीय नगर स्थित सातवीं वाहिनी (पीटीएस) परिसर में एक पैट्रोल पम्प व सैंट्रल पुलिस कैन्टीन का उद्घाटन किया। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा, श्री मुक्तेश चन्द्र, श्री एस.बी.के.सिंह, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री ए.के.सिंह, श्री एस.के.गौतम, श्री आर.एस.कृष्णैया, श्री विवेक गोगिया, श्रीमती गरिमा भटनागर व अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री अतुल कटियार** के अलावा भारी संख्या में पुलिस अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। इस अवसर पर पुलिस आयुक्त श्री बस्सी ने कहा कि सही पुलिसिंग को क्रियान्वित करने से पहले उसका मूलभूत ढ़ांचा मजबूत होना नितांत जरूरी है। उन्होंने कहा कि यदि पुलिसकर्मियों का व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन सुविधाजनक होगा तो अच्छी पुलिसिंग जरूर संभव होगी। एन.बी.सी.सी के माध्यम से दिल्ली पुलिस की कॉलोनियों का जीर्णोद्धार कराया जाएगा। इस परिसर में किफायती दरों से मिलने वाले सामान की कैन्टीन खुलने से यहां तैनात लगभग 1500 पुलिसकर्मियों के अलावा 500 पुलिस परिवारों को भी लाभ मिलेगा। इस कैन्टीन में रोजमर्रा की जरूरतों का सामान 10 से 25 प्रतिशत तक की छूट पर उपलब्ध होगा।। इस मौके पर पुलिस आयुक्त ने कहा कि सभी पुलिस अधिकारी एवं कर्मी प्रशंसनीय कार्य को अंजाम दे रहे हैं। अपवाद स्वरूप कुछ पुलिसकर्मी ऐसे कार्य को अंजाम दे देते है जिससे पूरे विभाग की छवि धूमिल होती है। इसीलिए सभी पुलिसकर्मियों को अतिरिक्त सावधानी बरतते हुए अपने कर्तव्य को अंजाम देना चाहिए।





पैट्रोल पम्प व कैन्टीन का उद्घाटन करते हुए पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी। साथ में खड़े हैं विशेष पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा, श्री एस.बी.के. सिंह व श्री मुक्तेश चन्द्र

लॉस्ट रिपोर्ट की अपार सफलता के बाद ट्रैफिक पुलिस की मोबाइल एप्लिकेशन और एक अपग्रेडिड वेबसाइट का उपराज्यपाल द्वारा उद्घाटन



8 मई, 2014 को विज्ञान भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में उपराज्यपाल श्री नज़ीब जंग ने दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की अपग्रेडिड मोबाइल एप्लिकेशन और वेबसाइट का उद्घाटन किया। इस अवसर पर **मुख्य अतिथि उपराज्यपाल श्री नज़ीब जंग** के साथ **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी, दिल्ली के मुख्य सचिव श्री एस.के. श्रीवास्तव, विशेष पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार वर्मा, विशेष पुलिस आयुक्त श्री ताज हसन और संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री अनिल शुक्ला उपस्थित** थे। इसके अलावा समारोह में **विशेष पुलिस आयुक्त श्री धर्मेन्द्र कुमार, श्री दीपक मिश्रा** सहित भारी संख्या में दिल्ली ट्रैफिक पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी एवं सभी जिला/इकाईयों के सदस्य उपस्थित थे।

इस अवसर पर उपराज्यपाल श्री नजीब जंग ने ट्रैफिक पुलिस के इस प्रयास की प्रंशसा करते हुए कहा कि दिल्ली ट्रैफिक पुलिस द्वारा तैयार की गई इस एप्लिकेशन से लोगों को बड़ी सुविधा मिलेगी। लोगों को मोबाइल फोन के माध्यम से ही ट्रैफिक से जुड़ी जानकारी उपलब्ध हो जायेंगी। पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने कहा कि दिल्ली में यातायात का सुचारू संचालन एक बड़ी चुनौती है। पुलिस का दायित्व ही ऐसी चुनौतियों का डटकर मुकाबला करते हुए जनता की परेशानियों को दूर करना है। उन्होनें कहा कि दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने नई तकनीक का उपयोग करते हुए दिल्ली के नागरिकों की सुविधा में एक और बड़ा कदम उठाया है।

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस द्वारा शुरू की गई इस मोबाइल एप्लीकेशन को सभी मोबाइल फोन प्रयोगकर्ता इंटरनेट के जरिये गुगल प्ले स्टोर, विंडो स्टोर और एप्पल एप स्टोर से दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की मोबाइल एप को मुफ्त में डाउनलोड कर सकते हैं। नागरिक इस एप्लीकेशन के माध्यम से खुद को रजिस्टर करके ट्रैफिक पुलिस की इस नई तकनीक का फायदा कहीं से भी उठा सकेंगे। इस ऐप से ट्रैफिक संबंधी सभी प्रकार की जानकारियॉं प्राप्त की जा सकेंगी। सफलतापूर्वक डाउनलोड करने के बाद एप्लीकेशन पर दिल्ली यातायात पुलिस का मुख्य पृष्ठ खुल जायेगा। जिस पर दिखाई दे रहे रजिस्टर बटन को दबाने से एक फार्म दिखाई देगा। जिसमें आप अपना मोबाइल नम्बर, नाम, ई–मेल पता भर कर रजिस्टर कर सकते हैं। यहां पर बार–बार पूछे जाने वाले प्रश्नों का उत्तर और इस एप्लीकेशन से संबंधित अन्य जानकारियॉं भी उपलब्ध होंगी। सफलतापूर्वक रजिस्ट्रेशन करने के बाद इस मोबाइल एप्लीकेशन की विभिन्न सुविधाएँ आप देख पायेंगे। जिसमें यातायात संबंधित सतर्क, दिशा–निर्देश, टैक्सी और ऑटो का किराया व रूट संबंधी जानकारी, टैक्सी व ऑटो के खिलाफ ज्यादा जैसे वसूलने, दुर्व्यवहार करने और जाने से मना करने संबंधी शिकायत भी दर्ज हो सकेगी।

आप किसी भी खराब लाल बत्ती से संबंधित शिकायत कर सकते हैं, साथ ही क्रेन द्वारा वाहन उठाये जाने संबंधी जानकारी भी प्राप्त कर सकते है। साथ ही आपात स्थिति में सम्पर्क करने के लिए टेलीफोन नं0 उपलब्ध कराये गये हैं। दिल्ली पुलिस की लॉस्ट रिपोर्ट एप्लीकेशन को भी यहॉं से डाउनलोड किया जा सकता है। इसके अलावा दिल्ली पुलिस की फेसबुक, टवीट्र और वेबसाइट से भी जुड़ा जा सकता है। यातायात संबंधी दिशा–निर्देश भी इस आईकन को दबाने से दिल्ली यातायात पुलिस द्वारा जारी की गए यातायात संबंधी दिशा–निर्देशों को भी देखा जा सकता है। जिसमें कौन सा मार्ग बंद किया गया है या कहां से यातायात परिवर्तित किया गया है। जैसे गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, आई.पी.एल. मैच या जलूस–प्रदर्शन के दौरान ट्रैफिक की स्थिति को देखा जा सकता है। किसी वाहन के खराब होने, जलभराव होने व दुर्धटना होने की स्थिति की जानकारी भी प्राप्त की जा सकती है। टैक्सी/ऑटो के किराये के बारे में इस आईकन के दबाने से जानकारी प्राप्त की जा सकती है। यात्रा के प्रारंभिक स्थान से लेकर उसके गंतव्य तक अंकित ऑटोरिक्शा, टैक्सी और रेडियो टैक्सी में किसी का चयन करने के बाद केलकुलेटर बटन दबाया जाए तो उसकी दूरी व किराया अंकित हो जाएगा। शो ऑन मेप (Show on map) के बटन को दबाने से यात्रा का मार्ग दिल्ली के नक्शे पर देखा जा सकता है।

इस एप्लीकेशन द्वारा ऑटो रिक्शा या टैक्सी के द्वारा जाने से मना करने, मीटर से ज्यादा पैसे वसूलने और दुर्व्यवहार करने जैसी शिकायतों को भी दर्ज किया जा सकता है। आप अपनी शिकायत को चुन कर फार्म के माध्यम से दर्ज करा सकते हैं। सुविधा के लिए शिकायत का एक रजिस्टर नम्बर भी दिया जाएगा। दिल्ली यातायात पुलिस ने दिल्ली की तमाम लाल बत्तियों को एक विशिष्ठ नम्बर दिया है जो हर ट्रैफिक पोल पर अंकित है। इस आईकन के दबाने से लाल बत्ती की खराबी संबंधी जानकारी भी एक फार्म भर कर दिल्ली यातायात पुलिस को भेजी जा सकती है। दिल्ली में वाहनों को गलत पार्क करना एक बड़ी समस्या है। गलत पार्क किये गये वाहनों को दिल्ली यातायात पुलिस की क्रेनों द्वारा निर्धारित यातायात केन्द्रों में जमा किया जाता है। परन्तु यह जानकारी वाहन चालकों तक आसानी से नहीं पहुंच पाती है। इस एप्लीकेशन के द्वारा हर यातायात क्षेत्र के ट्रैफिक केन्द्रों के निर्धारित स्थान, टेलीफोन नं0, संबंधित ट्रैफिक इंस्पेक्टर का नम्बर भी उपलब्ध कराया गया है और आप इस जानकारी को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं।

आपातकालीन टेलीफोन नं0: यह एप्लीकेशन दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/इकाईयों के टेलीफोन नं0 व अन्य आपात इकाईयों के टेलीफोन नम्बर को भी दर्शाता है और आप एक ही क्लीक से किसी भी नम्बर से सम्पर्क कर सकते हैं। अधिकतर पूछे जाने वाले प्रश्नः इस एफ.ए.क्यू (Frequent Asked Questions) बटन को दबाने से इस मोबाइल एप्लीकेशन से संबंधित विभिन्न जानकारी और उनके समाधान संबंधी विस्तृत जानकारी आपकी सुविधा के लिए दी गई है। दिल्ली पुलिस द्वारा पूर्व में जारी की गई '' लॉस्ट रिपोर्ट एप्लीकेशन '' को भी इस ऑईकन के दबाने से प्राप्त किया जा सकता है। ट्रैफिक पुलिस की इस वेबसाइट की लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उद्घाटन के 2/3 दिनों में ही लगभग 7 हजार लोगों ने इसे डाउनलोड कर लिया था।



आधुनिकता की तरफ अग्रसर दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ई-चालन के बाद अब चालान की राशि क्रेडिट व डेबिट कार्ड से वसूलेगी

दिल्ली ट्रैफिक पुलिस द्वारा पिछले वर्ष शुरू की अपनी ई–चालान प्रक्रिया की सफलता के बाद अब यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालाकों से चालान की राशि क्रेडिट और डेबिट कार्ड से वसूलने की प्रक्रिया शुरू करने जा रही है। इससे उन वाहन चालाकों को मदद मिलेगी जिनके पास जुर्माना भुगतान की पर्याप्त राशि नहीं है, जुर्माना राशि के भुगतान में और ज्यादा पारदर्शिता बनेगी, भुगतान में किसी प्रकार के विवाद से बचा जा सके और साथ ही समय की बचत भी होगी। अब तक ई–चालान मशीन से दोषी वाहन चालक का लाइसेंस या आरसी श्वाईप करने के बाद कटे चालान पर केवल नकद भुगतान की सुविधा थी। परन्तु भविष्य में तैयार होने वाली नई तकनीकी आधारित डिवाइस से डेबिट व क्रेडिट कार्ड को स्वीप कर जुर्माना राशि को भी वसूला जा सकेगा।

बाल अपराधियों से व्यवहार करते समय संवेदनशील व सजग रहे पुलिसकर्मी



14 मई, 2014 को माता सुन्दरी कॉलेज में दिल्ली पुलिस ने जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड, स्वयंसेवी संगठनों, केंद्रीय महिला आयोग व कुछ प्रमुख वकीलों के साथ मिलकर पुलिसकर्मियों के लिए बाल न्याय (बच्चों की देखभाल एवं सरंक्षण) अधिनियम–2000 विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में पुलिसकर्मियों को बाल अपराधियों और बच्चों के साथ व्यवहार करते समय ज्यादा संवेदनशील और सजग रहने का आह्वान किया गया। कार्यक्रम में **विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपक मिश्रा** ने अतिथियों का स्वागत किया और **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने समारोह की अध्यक्षता की। दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायधीश और जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के सदस्य **श्री राजीव शकधर** ने सम्बोधन भाषण में बच्चों के साथ संजीदगी के साथ व्यवहार करने की सलाह दी जबकि दिल्ली उच्च न्यायालय के न्यायधीश और जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के सदस्य श्री रविन्दर भट्ट ने बच्चों के अधिकारों और उनकी समस्याओं से निपटने में अधिक जागरूकता बरतने पर जोर दिया। इस मौके पर **केंद्रीय महिला आयोग की सदस्य सुश्री चारू मक्कड़** ने बच्चों की देखभाल और सुरक्षा के साथ–साथ महिला आयोग और पुलिस की भूमिका के परस्पर संबंधों पर जोर दिया। कार्यक्रम के दौरान ''एक था बचपन'' नामक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। इस दौरान बच्चों के अधिकार और पुलिस की भूमिका, बच्चों का संरक्षण और उनकी देखभाल और बाल अपराधियों में कानून का विरोध जैसे संवेदनशील विषयों पर एक सार्थक चर्चा हुई। जिसमें सह–निदेशक एचएक्यू सेंटर की सदस्य और डीएसएलए सुश्री भारती अली, जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड प्रिंसिपल जज (II) एवं पुलिस सुश्री सुचि लल्लर बाल अधिकारों से जुड़े **वरिष्ठ अधिवक्ता श्री अनंत कुमार अस्थाना, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री संदीप गोयल, श्री आर.एस.कृष्णैया व श्री मुकेश कुमार मीणा व दिल्ली पुलिस के जनसम्पर्क अधिकारी श्री राजन भगत** के अलावा भारी संख्या में पुलिस अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।



माता सुन्दरी कॉलेज के सभागार में वक्तव्यों को सुनते हुए पुलिस अधिकारीगण

पूर्वोत्तर राज्यों के नागरिकों की सुरक्षा के लिए कटिबद्ध है दिल्ली पुलिस : श्री रोबिन हिबू



सयुंक्त पुलिस श्री रोबिन हिबू ने एक तरफ जहां पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों का हल्के–फुल्के अंदाज में मनोरंजन कराया वहीं दूसरी तरफ गंभीरता के साथ दिल्ली पुलिस द्वारा उनकी सुरक्षा के लिए उठाये गये कदमों के बारे में विस्तार से बताया। अपने साथ हुई एक घटना का वर्णन करते हुए उन्होंने कहा कि प्रारंभ में जब दिल्ली आया और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर एक हवलदार से चाणक्यपुरी का रास्ता पूछा तो उसने कहा कि बहादुर वहां ये बस पकड़ लो, मैने उसका बुरा नहीं माना, क्योंकि मुझे जानकारी थी कि पता नहीं वह किस पृष्ठभूमि से आया है और उसे पूर्ण जानकारी नहीं है। उन्होंने कहा दिल्ली पुलिस ने इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाये हैं जिनमें पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों के लिए नानकपुरा स्थित पुलिस स्टेशन में एक विशेष दस्ते का गठन, चौबिसों घंटे–सातों दिन हेल्पलाइन 1093 की शुरूआत, व्हाटसअप के लिए फोन नं. 9810083486 व ''दिल्ली पुलिस फॉर नार्थ–ईस्ट फोकस'' फेसबुक पेज़ की शुरूआत आदि

9 मई, 2014 को दिल्ली पुलिस द्वारा विष्णु दिगम्बर मार्ग स्थित हिन्दी भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में पूर्वोत्तर भारत के लोगों में सुरक्षा की भावना मजबूत करने, उनमें सकारात्मक सोच लाने तथा उनकी सहायता/सुरक्षा के लिए उठाये गये विभिन्न कदमों के बारे में विस्तार से बताया गया। संयुक्त पुलिस आयुक्त व पूर्वोत्तर राज्यों के नोडल ऑफिसर श्री रोबिन हिबू के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में भारी संख्या में पूर्वोत्तर राज्यों के छात्रों और विभिन्न प्रकार के पेशे से जुड़े लोगों ने भाग लिया।

इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपक मिश्रा** मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम में **संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री विवेक गोगिया, श्री आर. एस.कृष्णैया, श्री संजय बेनीवाल, श्री संदीप गोयल, श्री रोबिन हिबू** तथा पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों के हितों में काम करने वाले पुलिस अधिकारी व कर्मी भी उपस्थित थे। इस मौके पर मुख्य अतिथि श्री दीपक मिश्रा ने पूर्वोत्तर राज्यों के लोगों की हितों में काम करने वाले नागा स्टूडेंट यूनियन के अध्यक्ष जे.माइकल, एलेना गोलमिक, हाईकोर्ट की वकील लीमार्ली, जनसंचार से जुड़े ब्रुश, गौरव वत्स और मुनिरका के शेखर टोकस तथा दिल्ली पुलिस की तरफ से उपायुक्त पुलिस श्री बी.एस.जायसवाल, चांदनी महल के थानाध्यक्ष अनिल कुमार, मुखर्जी नगर के थानाध्यक्ष रामस्वरूप मीणा, एसआई सुनील संवारिया, अश्विनी कुमार व उतर–पूर्व राज्यों के कुछ सिपाहियों को सम्मानित किया गया। संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री रोबिन हिबू और श्री संजय बेनीवाल ने जहां पूर्वोत्तर राज्यों के छात्रों को सम्बोधित किया वहीं विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपक मिश्रा ने उनके सवालों के प्रत्युतर दिये।

श्री रोबिन हिबू ने कहा कि दिल्ली में फब्तियॉ और नस्लीय हिंसा का हमें डटकर मुकाबला करना चाहिए। जिसके लिए दिल्ली पुलिस सदैव उनके साथ खड़ी है। परन्तु हमें भी अपनी स्वयं की सोच में सकारात्मक परिवर्तन लाना होगा। पूर्वोत्तर के लोगों को भी यहां की संस्कृति, त्यौहारों, समारोह और गतिविधियों में शामिल होना चाहिए और आपसी प्यार–प्रेम बढ़ाने पर जोर देना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान कई छात्रों ने दिल्ली में आने वाली समस्याओं के बारे में अवगत कराया। विशेषकर कोई घटना घटित होने पर भाषा का न समझ पाना। पूर्वोत्तर राज्यों के पुलिसकर्मियों की संख्या का कम होना, अनुवादक का न होना और आपसी संवाद की कमी का होना बताया।



शामिल हैं। इसके साथ ही उन्होंने बताया की दयाल सिंह कॉलेज, हिंदू कॉलेज और जे.एन.यू में जमीन मुहैया कराई जा रही है ताकि पूर्वोत्तर राज्यों के छात्रों के लिए होस्टल बनाया जा सके। पुलिसकर्मियों को प्रशिक्षण के दौरान और विशेष प्रशिक्षण शिविर आयोजित करके नस्लीय समस्याओं से निपटने के बारे में भी जानकारी दी जा रही है।



ग्रीष्म अवकाश में आयोजित निःशुल्क आत्मरक्षा शिविरों में इस वर्ष 1093 महिलाओं/छात्राओं को प्रशिक्षित किया गया।



विशेष पुलिस इकाई बाल एवं महिला (महिला अपराध निरोधक शाखा) दिल्ली की छात्राओं एवं महिलाओं को ग्रीष्म अवकाश के दौरान वर्ष 2002 से हरवर्ष निःशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण देती आ रही है। महिला सशक्तिकरण में अग्रणीय भूमिका निभाने वाली इस शाखा की प्रशिक्षित महिला पुलिसकर्मी आत्मरक्षा प्रशिक्षण के 909 कैम्प आयोजित कर अब तक 109899 से ज्यादा महिलाओं एवं छात्राओं को आत्मसुरक्षा के गुर सीखा चुकी है। मार्शल आर्ट के अलावा महिलाओं द्वारा अक्सर साथ में रखने वाले सामान पैन, हेयरपिन, हैंडबैग, चुन्नी जैसी चीजों से असामाजिक तत्वों, झपटमारों और अश्लील व्यवहार करने वालों से निपटने के तरीके सिखाये जाते हैं। पूर्व की भांति इस वर्ष भी 08.05.2014 से 22.05.2014 के बीच कृपाल बाग आश्रम, किग्जैवे कैम्प, में तथा 19.05.2014 से 03.06.2014 के बीच शाहदरा स्थित राजकीय कन्या विद्यालय में और नानकपुरा स्थित विशेष पुलिस इकाई बाल एवं महिला शाखा के प्रशिक्षण हॉल में दिये गये इस निशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षणः अभियान में लगभग 1903 महिलाओं एवं छात्राओं को प्रशिक्षित किया गया।



द्वितीय वाहिनी में ''युवा कार्यक्रम'' आयोजित



पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी द्वारा प्रेरित दिल्ली पुलिस द्वारा शुरू किये गये ''युवा कार्यक्रम'' के तहत द्वितीय वाहिनी में 12 जून को समाज के साधन वंचित युवाओं के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। **अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री अतुल कटियार** के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में उपायुक्त पुलिस श्री आसिफ मोहम्मद अली, टाइम्स ऑफ इंडिया समूह के योजना प्रबंधक श्री अमिरन्द्र पांडे, बाल अधिकारों के लिए कार्यरत गैर सरकारी संगठन (इंडिया आस्पिरेंट एसोशिएशन) के श्री पीयूष अंगूष के अलावा भारी संख्या में झुग्गी–झौपड़ियों में रहने वाले साधनविहीन युवा शामिल थे। 18 से 32 वर्ष की आयु के 88 युवाओं में से 56 युवाओं का चयन कर उन्हें दो समूहों में 100 दिन का ''स्पोकन इंगलिश स्पीकिंग'' कोर्स कराया जाएगा। इसके अलावा इन युवाओं को सुचारू जीवन यापन के लिए उचित मार्गदर्शन दिया गया ताकि वे समाज की मुख्यधारा में शामिल होकर एक सभ्य नागरिक का जीवन व्यतीत कर सकें। 12 जून से 7 अक्टूबर 2014 तक नई पुलिस लाईन किग्ज़वे कैम्प स्थित मैस नम्बर 4 में चलने वाले इस युवा कार्यक्रम में साधन वंचित युवाओं के अलावा इच्छुक युवाओं को भी कुछ बेसिक प्रशिक्षण निःशुल्क दिये जायेंगे। ताकि वे समाज की मुख्य धारा में रहकर अपना जीवन यापन शांतिपूर्वक कर सकें।









7 जून 2014 को मध्य जिला के थाना आनंद पर्वत इलाके के नेहरू विहार में एक परिवर्तन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पिछले कुछ महीनों से दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला यूनिटों में महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने, निशुल्क आत्मरक्षा प्रशिक्षण देने, साधन वंचित युवाओं को पुलिस गतिविधियों में शामिल करने और उन्हें मुख्य धारा में शामिल करने के लिए युवा कार्यक्रम आयोजित करने के साथ–साथ स्कूली बच्चों को सुरक्षा के गुर सिखाये गये हैं। थानाध्यक्ष आनंद पर्वत सहदेव राणा की देखरेख में आयोजित हुए इस कार्यक्रम में संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री संदीप गोयल, अति. आयु. पुलिस श्री आलोक कुमार व एसीपी श्री राजीव मिड्ढा भी उपस्थित थे।

अच्छी तफ्तीश

अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करों का नेटवर्क ध्वस्त करते हुए स्पेशल सेल ने 100 करोड़ रूपये मूल्य की हेरोइन बरामद की

स्पेशल सेल की टीम ने अंतर्राष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करों के एक नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए चार तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लगभग 100 करोड़ रूपये मूल्य की 30 किलोग्राम हेरोइन व मेथामफेटाइन बरामद करने में अनुकरणीय पेशेवर निपुणता और उल्लेखनीय तफ्तीश का नमून प्रस्तुत किया है। 20 मई, 2014 को इंस्पेक्टर उमेश भरथवाल व इंस्पेक्टर कैलाश बिष्ट को सूचना मिली थी कि मुंबई में मादक पदार्थो की तस्करी करने वाले मौ0 साबिर जुकैर व नौशाद अब्दुल रहमान मिलेनियम पार्क, सराय रोहिल्ला के निकट कुछ मादक पदार्थ सप्लाई करने के लिए आ रहे हैं। पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 16 किलोग्राम हेरोइन व 9 किलोग्राम कच्चा मादक द्रव्य पदार्थ जो आरोपियों ने अपने अंडरगार्मेंट् में छिपा रखा था, सहित दबोच लिया। इन दोनों आरोयियों से पूछताछ के आधार पर 24 मई, 2014 को शाहजहां व अब्दुल सतार को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 5 किलो हेराइन बरामद करने में कामयाबी मिली। **उपायुक्त पुलिस स्पेशल सेल श्री संजीव कुमार यादव** के दिशा–निर्देश में पुलिस टीम ने शाहजहां मोहम्मद यासिन उर्फ करीम, अब्दुल सतार उर्फ शेरू, नौशाद अब्दुल रहिमन तथा साजिद जुबेर को गिरफ्तार कर इस अंतर्राष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश किया। इस संबंध में विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.एन. श्रीवास्तव ने संवाददाताओं को बताया कि गिरफ्तार आरोपी बरामद हेरोइन व मेथामफेटामाइन को अफगानिस्तार से पाकिस्तान के रास्ते भारत लाये और दिल्ली से होते हुए उसे मुंबई में सप्लाई किया जाना था। बाद में उसे केरल, तमिलनाडू के रास्ते श्रीलंका तक पहुंचाया जाना था, बताया गया है। शाहजहां मोहम्मद यासिन उर्फ करीम नामक एक आरोपी लगभग 15 साल पहले काम की तलाश में कुवैत गया था। वहां उसने बतौर चालक काम किया। जिन लोगों के वाहन उसने वहां चलाये उनमें से कुछ लोग ड्रग्स के धंधे में लिप्त थे। 2010 में मुबंई आकर उसने अपने संबंधों के माध्यम से ड्रग का कारोबार शुरू कर दिया। दिसम्बर 2013 में भी स्पेशल सेल की टीम ने शूरवी,रघमीत व अवतार सिंह को प्रतिबंधित मादक द्रव्य पदार्थो के साथ गिरफ्तार करने हुए बड़े गिरोह का भंडाफोड़ किया था। स्पेशल सेल टीम की काफी दिनों से अवैध हथियारों और अवैध मादक द्रव्य पदार्थो की सप्लाई से जुड़े बदमाशों की धरपकड़ करते हुए भारी संख्या में शस्त्र व मादक द्रव्य पदार्थ जब्त करने में सफल हुई है। जो स्पेशल सेल की टीम बेहतर कार्यकुशलता, निरंतर प्रयास व परस्पर तालमेल को दर्शाता है।

कुख्यात बदमाश नीरज बवानिया की गिरफ्तारी पर एक लाख रूपये का पुरस्कार घोषित

पुलिस आयुक्त, दिल्ली ने एक कुख्यात बदमाश नीरज बवानिया उर्फ नीरज पुत्र श्री प्रेमसिंह निवासी 848/पाना मौजान, थाना बवाना, दिल्ली की गिरफ्तारी में कोई सूचना या सुराग देने वाले व्यक्ति/व्यक्तियों को एक लाख रूपये (1,00000) का पुरस्कार देने की घोषणा की है। बाहरी जिला के थाना समयपुर बादली में दर्ज प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 180/2012,(भा.दं.सं की धारा 387/506) के मामले में अभियुक्त नीरज की पुलिस तलाश कर रही है। अभियुक्त इस मामले में फरार है और अपनी गिरफ्तारी से बचता भाग रहा है। नीरज बवानिया नामक यह खूंखार बदमाश दिल्ली व हरियाणा में हुई हत्या, हत्या के प्रयास, लूटपाट, झपटमारी, डकैती जैसी लगभग 16 संगीन आपराधिक मामलों में शामिल रहा है। पुरस्कार की राशि के लिए एक से अधिक दावेदार होने पर राशि किस अनुपात से वितरित की जाए। यह अधिकार पुलिस आयुक्त,दिल्ली ने अपने पास सुरक्षित रखा है।

पश्चिमी जिला की कई पुलिस टीमों के अथक प्रयासों और शानदार पेशेवर निपुणता से तिलक नगर का दोहरा हत्याकांड सुलझाने में शानदार सफलता

पश्चिमी जिला के थाना तिलक नगर इलाके में 21 मई, 2014 को स्थित तिलक विहार में हुए एक दोहरे हत्याकांड को सुलझाने में अच्छी कामयाबी मिली है। एसीपी ऑपरेशन श्री जगजीत सिंह, एसीपी, तिलक नगर श्री विनित कुमार, थानाध्यक्ष तिलक नगर जितेन्द्र कुमार, स्पेशल स्टाफ के इंस्पेक्टर एस.एस.राठी, एसआई मनोहर लाल, एंटी स्नैचिंग सेल,पश्चिमी जिला के एसआई संदीप डबास, एएसआई दीपेन्द्र, हैडकां नवीन, हैडकां0 नरेश, कां. अजय, कां. सुरेश तथा कां0 विनोद की टीम ने श्रीमती जसबीर कौर, उनकी पुत्री प्रभजीत कौर की हत्या करने और पुत्र को गंभीर रूप से घायल करने के आरोप में उन्हीं के एक रिश्तेदार को गिरफ्तार कर इस सनसनीखेज हत्याकांड व चोट पहुंचाने की इस वारदात का पर्दाफाश किया है। इस संबंध में अतिरिक्त आयुक्त पुलिस, पश्चिमी जिला श्री रणबीर सिंह ने 29 मई, 2014 को संवाददाताओं को बताया कि 21 मई, 2014 की शाम पुलिस को सूचना मिली कि तिलक विहार के एक फ्लैट में आपराधिक घटना घटित हुई है। पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची तो पाया कि श्रीमती जसबीर कौर (36) और उसकी पुत्री प्रभजीत कौर (14) की लाश कमरे में पड़ी है जबकि पुत्र जसपाल गंभीर रूप से घायल पड़ा है। जसबीर को गंभीर रूप से घायल अवस्था में तत्काल उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया। वारदात की जानकारी मिलने पर स्थानीय पुलिस, स्पेशल स्टाफ के साथ–साथ वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी मौके पर पहुंचे और सभी दृष्टिकोणों को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरा पुलिस को जानकारी मिली कि पीड़ित परिवार का एक परिचित बलविन्द्र (42) न तो उनके दाह संस्कार में शामिल हुआ और न ही रस्म किया में। संदेह के आधार पर जब उसकी टेलीफोन की लोकेशन की जांच की तो पता चला कि घटना वाले दिन बलविन्द्र वहीं था। पुलिस टीम ने तत्काल उससे पूछताछ की, परन्तु यथासंभव बरगलाने की कोशिश की। गहन पूछताछ पर बलविन्द्र टूट गया और उसने बताया कि वह काफी कर्जे में आ गया था और उसे जानकारी मिली थी कि उसकी बुआ की लड़की जसबीर कौर, जो घर में ब्यूटी पॉर्लर चलाती है, के पास काफी पैसा व जेवरात है। पहले उसने चोरी की वारदात को अंजाम देने की सोची थी परन्तु बाद में उसने इरादा बदलते हुए पूरे परिवार की हत्या कर लूटपाट करने की योजना बनाई। कारपेंटर का काम करने वाले बलविन्द्र को कुछ दिन पूर्व ही मृतक जसबीर कौर उसे मिली थी और उसे घर के किचन में काम करने को कहा था। उसी का फायदा उठाता हुए अभियुक्त वहां पहुंचा और रात को वहीं जसपाल के कमरे में सो गया। रात्रि के समय जसपाल पर आरी व हथौडी से हमला कर और उसे मृत समझ जसबीर व प्रभजीत के कमरे में जाकर सोते हुए उनकी हत्या कर दी। घर में रखी नकदी, जेवरात व जसपाल को 42 हजार कीमत का मोबाइल आदि लूट कर फरार हो गया। घर से लूटे सोने को शाहदरा इलाके में मुथूथ फाइसेंस के यहां गिरवी रख कर उससे मिले पैसे अपने कर्जदार को लौटा दिये। पुलिस टीम ने अभियुक्त के कब्जे से खून सने कपड़े, लूट की कुछ रकम व हत्या में प्रयुक्त हथियार बरामद करने में भी अच्छी कामयाबी पाई है। वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने पुलिस टीम की उत्कृष्ट सूझबूझ और अच्छी तफ्तीश की प्रशंसा करते हुए समुचित पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा की है।

अच्छी कामयाबी

कोतवाली की सनसनीखेज हत्या व लूटपाट की वारदात 24 घंटे के अंदर सुलझाने में उत्तरी जिला पुलिस की शानदार सफलता

10 जून, 2014 की देर शाम मशहूर बाजार दरीबा कलां में एक व्यापारी की हत्या और लूट की कोशिश की सनसनीखेज वारदात को 24 घंटे के अन्दर सुलझाने में उतरी जिला पुलिस को शानदार सफलता मिली। शाम लगभग 9 बजे ज्वैलरी बाजार के प्रथम तल पर व्यापारी कन्हैया लाल अपने पुत्रों के साथ दुकान बंद करने की तैयारी कर रहे थे कि अचानक तीन नकाबपोश हथियारबंद लुटेरों ने लूटने का प्रयास किया। लूटेरों को देखकर तीनों ने उनका डटकर मुकाबला किया और उनसे भिड गये। लूटेरे अप्रत्याशित प्रतिरोध को देख कर घबरा गये और फायरिंग कर दी। गोली कन्हैया लाल के पेट में जा लगी। श्री कन्हैया लाल को सुश्रुत अभिघात केन्द्र ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया। वारदात की सूचना मिलने पर संयुक्त पुलिस आयुक्त एवं उपायुक्त पुलिस सहित सभी वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। थानाध्यक्ष कोतवाली, लाहौरी गेट, कश्मीरी गेट और स्पेशल सेल की 5 टीमों का गठन कर आरोपियों को पकड़ने का प्रयास शुरू किया। इस संबंध में उतरी जिला उपायुक्त पुलिस श्रीमती सिधुं पिल्लै ने 12 जून, 2014 की शाम संवाददाताओं को सम्बोधित करते हुए घटना के बारे में विस्तार से बताया कि पुलिस टीमों में शामिल पुलिसकर्मियों ने आसपास के होटलों, सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग का गहन अध्ययन किया। इसके बाद रेलवे स्टेशनों, अतंर्राष्ट्रीय हवाई अडड़ों व अंतर्राज्जीय बस अडड़ों पर निगरानी रखी। पुलिसकर्मियों की मेहनत रंग लाई और इस संबंध में मुख्य आरोपी करण बलेचा नामक व्यक्ति को 24 घंटें के अन्दर आईजीआई एयरपोर्ट से उस समय गिरफ्तार कर लिया जब वह बैंकाक भागने का प्रयास कर रहा था। अभियुक्त करण बलेचा के पिता का दरीबा कलां में ही ज्वेलरी डिजाइनिंग का कारोबार है और वह खुद भी कुछ वर्ष पहले दरीबा कलां और करोल बाग इलाके में ज्वैलरी का काम कर चुका था। बाद में वह बैंकांक में नौकरी करने लगा। वहीं से दिल्ली आया और चूंकि यहां की व्यापारिक, भौगोलिक व अन्य गतिविधियों के बारे में अच्छी तरह परिचित था। उन्हीं का फायदा उठाकर अपने दो अन्य साथियों के साथ मिलकर वारदात को अंजाम देने का प्रयास किया था।

24 घंटे के अन्दर सुलझायी सेवानिवृत मेज़र की सनसनीखेज हत्या की वारदात

थानाध्यक्ष पटेल नगर रणजीत सिंह दहिया की टीम ने 11 जून की रात इलाके में हुई एक सेवानिवृत मेजर रोहित सेठी (65) की हत्या की वारदात को 24 घंटे के अन्दर सुलझाने में शानदार सफलता अर्जित की है। संयुक्त पुलिस आयुक्त (मध्य परिक्षेत्र) श्री संदीप गोयल एवं अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (मध्य जिला) श्री आलोक कुमार के नेतृत्व में पटेल नगर थाने की पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए यह सफलता अर्जित की। सेना में विभिन्न पदकों से सम्मानित रोहित सेठी की उनके नौकर ने ही बड़ी चालाकी और सुनियोजित तरीके से अपने तीन साथियों के साथ मिलकर हत्या कर दी। स्वयं मौके पर रह कर वारदात से अनभिज्ञ रहने का प्रयास करने वाले नाबालिग नौकर ने अपने साथियों के साथ मिलकर मुहँ पर तकिया रख कर अपने मालिक की हत्या कर दी। उसने हत्या के बाद घर से मोबाइल फोन, नकदी, जेवरात व अन्य कीमती सामान के साथ अपने साथियों को मौके से भगा दिया। पुलिस टीम ने इल्क्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद के साथ–साथ नाबालिग नौकर से भी बड़े पेशेवर ढंग से बातचीत करते हुए मामले को सुलझाने में कामयाबी पायी।

पत्नी का हत्यारा एक वर्ष बाद कोटद्वार से गिरफ्तार

अपराध शाखा के **उपायुक्त पुलिस श्री भीष्म सिंह** के दिशा–निर्देश में एसीपी श्री के.पी.एस. मल्होत्रा के नेतृत्व में इंस्पेक्टर पवन कुमार, एसआई मनदीप सांगवान, हैडकां. पृथ्वी सिंह, हैडकां. मुरलीधर कां0 रोहित सोलंकी, कां. संजीव तोमर, विनोद कुमार व प्रदीप कुमार की टीम ने गतवर्ष फरवरी माह में रोहिणी इलाके में हुई सनसनीखेज हत्या की वारदात को सुलझाने में प्रशंसनीय कामयाबी हासिल की है। 25 फरवरी, 2013 को रोहिणी इलाके में एक प्रसिद्व स्कूल की कुमुद चतुर्वेदी नामक अध्यापिका अपने फ्लैट में मृत पड़ी पाई गई थी। स्थानीय पुलिस इस मामले की जांच कर रही थी कि अपराध शाखा की टीम को जानकारी मिली कि अपनी पत्नी की हत्या करने वाला एक अभियुक्त कोटद्वार में छुपा हुआ है। पुलिस टीम ने पुख्ता जानकारी हासिल की और 24 मई, 2014 को अभियुक्त को कोटद्वार से गिरफ्तार करने मे सफल हुई। पूछताछ पर पता चला कि अभियुक्त अपनी पत्नी की हत्या की वारदात को अंजाम देकर बरेली, भोपाल, पुणे, मुबंई, गोवा हरिद्वार, ऋषिकेश, कोटद्वार इलाकों में छिपता फिर रहा था।

एक लाख के ईनामी गिरोह सरगना आशिम को अपराध शाखा ने उतराखंड से धर–दबोचा

अपराध शाखा के उपायुक्त पुलिस श्री भीष्म सिंह की दिशा–निर्देश में एसीपी श्री के.पी.एस. मल्होत्रा व इंस्पेक्टर कुलबीर सिंह की टीम ने उतराखंड के राम नगर इलाके से एक लाख रूप्ये के कुख्यात बदमाश और गिरोह सरगना आशिम उर्फ हाशिम उर्फ बाबा उर्फ फकीरा (28) को दबोचने में शानदार सफलता पायी है। दिल्ली के यमुनापार इलाके में डॉन बनने की अभिलाषा रखने वाले जाफराबाद निवासी इस बदमाश की गिरफ्तारी पर दिल्ली पुलिस ने एक लाख रूपये का पुरस्कार घोषित किया हुआ था। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री आशोक चांद ने एक संवाददाता सम्मेलन में विस्तार से बताया कि यह बदमाश हत्या, हत्या के प्रयास व सट्टेबाजी के कई मामलों में शामिल था और पिछले 4 वर्षो से उत्तर–प्रदेश, उतराखंड, महाराष्ट्र आदि राज्यों में छिपता फिर रहा था।

बेटे के अपहरण की धमकी देकर 5 करोड़ की फिरौती मांगने वाले दो अभियुक्त पुलिस शिकंजे में

पश्चिमी जिला के एसीपी राजौरी गार्डन (आईपीएस) डॉ0 ईश सिंघल के नेतृत्व में इस्पेक्टर एस.के.शर्मा, एसआई संदीप डबास ,एसआई मनोहर लाल, हैडकां अनिल कुमार, हैडकां नरेश व कांस्टेबल अजय की टीम ने दो बदमाशों को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है जो एक सेवानिवृत कैप्टन के पुत्र के अपहरण की धमकी देकर पांच करोड़ रूपये की फिरौती मांग रहे थे। एसएमएस से फिरौती की धमकी दे रहे विनीत मकौल उर्फ बिन्नी और संजीव उर्फ बाबी नामक दो अभियुक्तों को पुलिस टीम ने इलेक्ट्रानिक सर्विलांस की मदद से धर दबोचा। पूछताछ पर पता चला कि एक अभियुक्त संजीव आईपीएल और वर्ल्ड कप के दौरान दो करोड़ रूपये हार गया था। यह रकम उसने कई लोगों से कर्ज लेकर लगाई थी। विनीत ने भी लाखों रूपये सट्टे में लगाये थे। इससे उभरने के लिए दोनों अभियुक्तों ने सेवानिवृत कैप्टन के बेटे अंगद के अपहरण की साज़िस रची। उन्हें विश्वास था कि सेवानिवृत कैप्टन राजीव आनंद अपने इकलौते बेटे के लिए आसानी से रकम दे देंगे और पुलिस में रिपोर्ट दर्ज नहीं करायेगें। परन्तु शिकायत मिलने के तत्काल बाद कर्तव्यनिष्ठ पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही की और अभियुक्तों को धर–दबोचा।

अच्छी तफ्तीश

निर्भिकता के साथ लूटेरों का सामना करने वाले पीसीआर के एएसआई रमेश कुमार को असाधारण कार्य पुरस्कार से सम्मानित करने की घोषणा



6 जून, 2014 की रात पुलिस मुख्यालय स्थित पुलिस कंट्रोल रूम में सूचना मिली थी कि 3/4 बदमाश साकेत इलाके में एक मकान का ताला तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। इस सूचना को तत्काल निकट की पीसीआर वैन पर तैनात पुलिसकर्मियों को प्रसारित किया गया। पीसीआर वैन के प्रभारी एएसआई रमेश कुमार बिना समय गंवाये मौके पर पहंचे तो पाया कि 5/6 लूटेरे एक मकान का ताला तोड़ रहे हैं। जब एएसआई रमेश कुमार ने उन बदमाशों को ललकारा तो वे अचानक रमेश पर झपट पड़े और लोहे की रॉड़ व चाकू से हमला कर दिया। एएसआई रमेश ने अपनी सर्विस रिवाल्वर से गोलियॉ चलाकर न केवल अपनी आत्मरक्षा की बल्कि एक बदमाश की टांग में गोली मारकर उसे दबोच भी लिया। बदमाशों ने अपने साथी को रमेश की पकड़ से छुड़ाने का हरसंभव प्रयास किया, जो व्यर्थ रहा। एएसआई रमेश खुद भी घायल होने के बावजूद बदमाश को उपचार के लिए एम्स के अभिघात केन्द्र में गये। एएसआई रमेश के इस साहसिक और सूझबूझ भरे कार्य से न केवल पुलिस की छवि उज्ज्वल हुई बल्कि एक अपराधिक वारदात को रोकने में भी सफलता मिली। एएसआई रमेश कुमार की बहादुरी और समय पर की गई त्वरित प्रभावशाली कार्यवाही के लिए 10 हजार रूपये नकद एवं असाधारण कार्य पुरस्कार से उन्हें प्रोत्साहित/सम्मानित किया गया है।

मुस्तैद पीसीआर कर्मियों की वजह से लगभग 2 करोड़ की लूट की वारदात विफल हुई



सं.पु.आ. श्री सुनील गर्ग जांबाज़ पुलिसकर्मियों को शाबाशी देते हुए

15 जून, 2014 की रात लगभग 1 बजे करोल बाग स्थित एक ज्वैलर्स श्री हेमंत जैन ने पुलिस को सूचना दी कि पंजाब से दिल्ली आ रहे उसके कर्मचारी श्री सुरेन्द्र सिंह से कुछ कार सवार बदमाशों ने लगभग 1.25 करोड रूप्ये मूल्य की ज्वैलरी लूट ली। राष्ट्रीय राजमार्ग 1 पर स्थित अलीपुर के निकट गांव खामपुर के पास हुदैई की सोनाटा कार में सवार दो बदमाशों ने उनकी कार को ओवरटेक कर उसमें रखी लगभग 12 किलोग्राम चांदी व डायमंड लूट लिये थे। दिल्ली सीमा से सटे इस इलाके में पुलिस ने तत्काल लूटेरों का हुलिया व कार की डिटेल को प्रसारित किया। लूट की घटना की जानकारी मिलने पर इलाके में तैनात पीसीआर वैन सतर्क हुई। सत्यवादी राजा हरीशचन्द्र अस्पताल (नरेला) के निकट खड़ी पीसीआर पर तैनात हैडकां रणधीर सिंह व कां0 राजेन्द्र सिंह ने बताये गये हुलिये की कार को तेजगति से उस इलाके से गुजरते हुए देखा। दोनों पुलिस कर्मियों ने बिना समय गंवाये उस कार का पीछा किया और संदेश प्रसारित कर कार के बारे में अन्य गाड़ियों को भी बताया। पीसीआर वैन भी तीव्रगति से सायरन बजाते हुए लूटेरों की कार का पीछा कर रही थी कि लूटेरों ने स्वयं को भागने में असहाय समझने पर कार को एक निर्जन स्थान पर छोड़ा और फरार हो गये। बदमाशों का पीछा कर हैडकां0 रणधीर सिंह व कां0 राजेन्द्र सिंह ने बदमाशों की कार को अपने कब्जे में लिया और उसमें रखी लूट की ज्वैलरी को सकुशल बरामद कर लिया। अलीपुर पुलिस मामला दर्ज कर कार मालिक व लूटेरों के बारे में पता लगाने में प्रयासरत थी। पीसीआर वैन पर तैनात पुलिसकर्मियों की सजगता और त्वरित कार्यवाही की प्रशंसा करते हुए संयुक्त पुलिस आयुक्त (पीसीआर) श्री सुनील गर्ग ने दोनों पुलिसकर्मियों को 10–10 हजार रूपये के नकद पुरस्कार से प्रोत्साहित किया और असाधारण कार्य पुरस्कार से सम्मानित किये जाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों से संस्तुति की है। विशेष पुलिस आयुक्त (परिचालन) श्रीमती एस. सुन्दरी नंदा ने भी दोनों बहादुर पुलिसकर्मियों को प्रोत्साहित किया और बधाई दी।

गीता कॉलोनी की सनसनीखेज लूटपाट की वारदात सुलझाने में उत्तर-पश्चिमी जिला पुलिस कामयाब



11 जून, 2014 को उत्तर–पश्चिमी जिला की एक पुलिस टीम ने पुलिस मुख्यालय में **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** से मुलाकात की। उपायुक्त पुलिस उत्तर–पश्चिमी जिला श्री एन. ज्ञानसम्बन्धन के नेतृत्व में इस पुलिस टीम जिसमें एसीपी श्री आश मोहम्मद, इंस्पेक्टर श्याम सुन्दर,एसआई राजीव रंजन, एसआई अजय कुमार, हैडकां0 शाहिर खान, हैडकां0 सुभाषचंद, हैडकां0 अनिल कुमार, हैडकां. धर्मवीर, कां0 श्रीपाल, कां0 राहुल कुमार, कां0 योगेंन्द्र सिंह तथा कां0 नीरज शामिल थे, ने 10 मई, 2014 को गीता कॉलोनी एसडीएम ऑफिस के निकट हुई एक सनसनीखेज लूटपाट की वारदात को सुलझाने में शानदर सफलता पायी थी। 9 जून, 2014 को उपायुक्त पुलिस उत्तर–पश्चिमी जिला ने पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में घटना के बारे बताया कि स्वास्थ्य विहार निवासी राजेश देव, जो चांदनी चौंक में आभूषण की दुकान चलाते हैं, 5 मई की शाम अपने चालक सहित मारूति एस एक्स–4 कार में जा रहे थे कि ज़ैन कार में सवार कुछ बदमाशों ने एसडीएम ऑफिस गीता कॉलोनी के निकट उनके तीन बैग लूट लिये थे। बैगों में लगभग 2 से 3 करोड़ मूल्य के आभूषण और लगभग 3–4 लाख रूपये की नकदी रखी हुई थी। इस संबंध में थाना गीता कॉलोनी में मामला दर्ज किया गया था। एसआई राजीव रंजन को एक पुख्ता सूचना मिली थी कि गीता कॉलोनी की सनसनीखेज लूटपाट की वारदात में शामिल दो बदमाश हैदरपुर के निकट लूटे गए आभूषण देने आयेंगे। पुलिस टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए पुनीत अरोड़ उर्फ पीनू तथा तनीष उर्फ तानी नामक दो बदमाशों को दबोच कर उनके कब्जे से लगभग 50 लाख रूपये मूल्य की लूटी गई ज्वैलरी बरामद करने में शानदार सफलता पायी। यह जाबांज पुलिस टीम गिरफ्तार बदमाश के साथियों, उनकी पिछली संलिप्ताओं आदि के बारे में जानकारी एकत्रित करने में जुटी हुई थी। पुलिस टीम को समुचित पुरस्कार से पुरस्कृत करने के लिए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से संस्तुति की गई है।



अच्छी कामयाबी



14 मई, 2014 को मुबंई के हीरा व्यापारी के साथ देशबंधु गुप्ता रोड़ पर हुई सनसनीखेज लूटपाट की वारदात को सुलझाने वाली पुलिस टीम को पुलिस आयुक्त ने शाबाशी दी। 20 मई, 2014 को **अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री अशोक चांद** ने एक संवाददाता सम्मलेन में इस वारदात की विस्तृत जानकारी संवाददाताओं को दी। **उपायुक्त पुलिस कुमार ज्ञानेश के नेतृत्व में एसीपी श्री संजीव तोमर की टीम इंस्पेक्टर राजबीर सिंह, एसआई ऋषि राम, रजनीश शर्मा, रमेश कुमार, हैडकां0 विरेन्द्र, संतराम, सतबीर, श्यामलाल, बहादुर, नरेन्द्र, राजेन्द्र, मोहन लाल, कां0 परवेज आलम, अनिल, अतुल, जगबीर व ज्ञानेश्वर** ने 6 बदमाशों को गिरफ्तार करते हुए वारदात को सुलझाने में शानदार सफलता अर्जित की। इस वारदात को सुलझाने वाली पुलिस टीम को **पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी** ने मुबारक बाद दी।

अन्तर्राज्यीय स्तर पर अवैध हथियार सप्लाई करने वाले गिरोह का पर्दाफाश 30 अत्याधुनिक अवैध हथियार बरामद करने में शानदार सफलता



स्पेशल सेल के एसीपी श्री सत्यवीर सिंह के नेतृत्व में इंस्पेक्टर मनोज दीक्षित एवं इंस्पेक्टर शिव कुमार की टीम ने 1 जून, 2014 को भगत सिंह पार्क, यमुना विहार इलाके से मुज्जफ्फर नगर, उत्तर प्रदेश के रहने वाले शमीम असगर, विजय पाल तथा तसलीम नामक तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 30 अत्याधुनिक अवैध पिस्टल बरामद करने में शानदार सफलता अर्जित की है। पिछले कुछ वर्षो से बिहार के मुंगेर जिले में निर्मित अवैध हथियार उत्तर प्रदेश व दिल्ली में सप्लाई किये जा रहे हैं। हालांकि स्पेशल सेल और क्राइम ब्रांच की टीम नें अवैध हथियारों की सप्लाई में संलिप्त बदमाशों को कई मौकों पर गिरफ्तार किया है। अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले बदमाशों की सक्रियता को देखते हुए स्पेशल सेल की टीम ने अभियान मुंगेर चलाया था। इसी सिलसिले में पुलिस टीम ने इटली व यू.एस.ए. में निर्मित गुदी हुई 30 अवैध पिस्टल बरामद कर तीन लोगों को गिरफ्तार करने में कामयाबी पायी। इस संबंध में 6 जून, 2014 को **विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.एन. श्रीवास्तव** ने एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान इन अवैध हथियारों की सप्लाई और उसमें संलिप्त बदमाशों के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

पुलिस की वर्दी में कार लूटने वाले गिरोह का पर्दाफाश

दक्षिण–पश्चिमी जिला के विशेष दस्ते और छावला पुलिस ने संयुक्त रूप से मिलकर एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया जो ग्रामीण इलाकों में पुलिस की वर्दी पहन कर लोगों को लूटने की वारदात को अंजाम दे रहा था। गांव बापडौला (नजफगढ) निवासी ईश्वर सिंह, सीलमपुर निवासी श्री अशोक कुमार, नजफगढ़ निवासी श्री सतबीर सिंह तथा गांव समसपुर उजवा निवासी संजीव कुमार ने विभिन्न मौकों पर पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि पुलिस की वर्दी पहने कुछ लोगों ने उनकी कार, तिपहिया, मोबाइल, नगदी आदि लूट ली। एसीपी ऑपरेशन श्री सुरेन्द्र कुमार के नेतृत्व में गठित पुलिस टीम इंस्पेक्टर रमेश कुमार, इंस्पेक्टर वीर सिंह,एसआई नवीन कुमार, एसआई नरेश कुमार, एसआई संदीप मलिक, हैडकां0 पवन कुमार, हैडकां श्रीओम, हैडकां0 जयवीर, हैडकां0 कुलदीप तथा कां0 अभिषेक मलान ने आसपास के क्षेत्र में काफी लोगों से पूछताछ की, स्वयं गाडियों में सफर किया और आखिरकार एक सूचना के आधार पर राहुल पुत्र जगपाल, अनिल पहलवान उर्फ राजपाल तथा राहुल पुत्र अनिल कुमार को दबोचने में सफलता प्राप्त की। पुलिस टीम ने अभियुक्तों के कब्जे से लूटी गई एक आल्टो कार, तिपहिया, संत्रो कार, वैगनार कार, मोबाइल फोन और एएसआई रेंक की पुलिस वर्दी बरामद करने में भी शानदार सफलता पायी।

लूटपाट की शिकार अभिनेत्री ने पुलिस कार्रवाही से प्रसन्न होकर पुलिस आयुक्त को प्रशंसा पत्र लिखा।

पूर्वी जिला के थाना हर्ष विहार इलाके में 1 मई, 2014 की रात मुंबई की एक मॉडल और अभिनेत्री से तीन बदमाशों ने उसका एप्पल आईफोन, बैग, आईडी कार्ड,पैन कार्ड, ड्राईविंग लाइसेंस, क्रेडिट कार्ड, डेबिट कार्ड व सन ग्लासेस लूटने के साथ–साथ उसके साथ बुरी तरह मारपीट करने व छेड़छाड़ करने की वारदात को अंजाम दिया। घटना के समय आनंद विहार इलाके में रहने वाली यह अभिनेत्री दवा खरीद कर कृष्णा नगर की तरफ जा रही थी कि तीन बदमाशों ने उसे घेर कर इस घटना को अंजाम दिया। अभिनेत्री ने बदमाशों का डटकर मुकाबला भी किया। परन्तु बदमाश वारदात को अंजाम देकर फरार हो गये। पूर्वी जिला के स्पेशल स्टाफ व स्थानीय पुलिस ने मामले को सुलझाने में अपनी पेशेवर निपुणता और निरंतर प्रयास से पिल्लू गिरोह के तीन बदमाशों को दबोचने में शानदार सफलता अर्जित की। सुश्री दिशा अरोड़ा नामक इस अभिनेत्री ने पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी को पत्र लिख कर संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री संजय बेनीवाल, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री रविन्द्र सिंह यादव, उपायुक्त पुलिस पूर्वी जिला श्री अजय कुमार, अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस श्री हरीश, एसीपी श्री जयकिशन गौतम तथा हर्षविहार के थानाध्यक्ष हरीश कुमार की प्रशंसा की है। अभिनेत्री सुश्री दिशा अरोड़ा ने पुलिस टीम के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट करते हुए कहा कि मै उम्मीद करती हूँ कि दिल्ली पुलिस भविष्य में भी अपनी गरिमानुसार इसी प्रकार अपने दायित्व का निर्वहन करती रहेगी।

सिपाही रविन्द्र की सूझबूझ से अपहृत युवती सकुशल बरामद

मध्य जिला के थाना चांदनी महल में तैनात कां0 रविन्द्र कुमार की सूझबूझ, मेहनत और ड्यूटी के प्रति निष्ठा के चलते एक 14 वर्षीय नाबालिग युवती को सकुशल बरामद करने में सफलता पाई। 5 मई, 2014 की शाम आर्य समाज गली में रहने वाली लड़की कुछ ही दूरी पर शंकर गली में अपनी बुआ के पास जा रही थी कि तुर्कमान गेट इलाके में रहने वाले भूपेन्द्र नामक युवक ने कोई नशीला पदार्थ खिलाकर उसे कार में बैठा कर ले गया। जानकारी मिलने पर लड़की के परिचित चांदनी महल थाने पहुंचे और लड़की के अपहरण के बारे में जानकारी देते हुए रो पड़े। वहीं खड़े पीड़ितजनों की बात सुन रहे रविन्द्र नामक सिपाही ने थानाध्यक्ष अनिल शर्मा के नेतृत्व में तत्काल अपनी कार्यवाही शुरू कर दी। मुखबिरों और मोबाइल लोकेशन की मदद से रविन्द्र ने बंगला साहिब गुरूद्वारे के निकट से किशोरी को सकुशल बरामद करने में सफलता पाई। कां0 रविन्द्र की इस त्वरित कार्यवाही को वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने काफी सराहा।

हैड कां. यशवीर की सुपुत्री अंशु सहरावत द्वारा सिविल सेवा परीक्षा में 121 वां स्थान प्राप्त करने पर पुलिस को गर्व है।


अंशू सहरावत

मध्य जिला में तैनात **हैडकां0 यशवीर सहरावत** की सुपुत्री **अंशू सहरावत** ने वर्ष 2013 में आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में 121वीं रैक हासिल कर न केवल अपने अभिभावकों का बल्कि पुलिस विभाग का नाम भी रोशन किया है। यह अंशू का पढ़ाई के प्रति सर्म्पण ,जीवन में अनुशासन और अपने बड़ों के प्रति आदर को दर्शाता है कि उसने अपने प्रथम प्रयास में पिछली बार की परीक्षा में जहां 573 वीं रैंक हासिल की थी वहीं दूसरे प्रयास में उस रैंक को घटाकर 121 के स्थान पर ला दिखाया। दिल्ली के बवाना गांव की रहने वाली अंशू सहरावत अपनी सफलता का पूरा श्रेय अपने माता–पिता, भाई व दादा को देती है कि उन्होंने सदैव मेरा हौसला बढ़ाया, मेरी हर जरूरत को समय पर पूरा करने के साथ–साथ उचित मार्गदर्शन किया। अपने पिता हैडकां0 यशवीर की प्रशंसा करते हुए अंशू कहती है कि उन्होंने अपने सीमित संसाधनों से जो सुविधाएँ और संस्कार हम भाई–बहनों को दिये हैं वह अनुसरणीय हैं। वर्तमान में बडोदरा (गुजरात) में प्रशिक्षण प्राप्त कर रही अंशू ने डीयू के श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स से इकोनॉमिक्स आनर्स में स्नातक तथा दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से एमए किया है। मृदभाषी और सौम्य व्यवहार की मालिक अंशू ने बताया कि उसने बदले हुए पाठ्यक्रम को ध्यान में रखा और अपनी कडी मेहनत से इस मुकाम को हासिल किया है। दिल्ली पुलिस परिवार ऐसी होनहार प्रतिभा के उज्ज़वल एवं सुनहरे भविष्य की कामना करता है।

महिला पहलवान सिपाही ज्योति ने दिल्ली पुलिस का मान बढ़ाया


पहलवान ज्योति

प्रथम वाहिनी में तैनात सिपाही ज्योति ने 29 मई से 1 जून के बीच सैंसरी, इटली में आयोजित 19वीं अंतर्राष्ट्रीय महिला कुश्ती प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीतकर न केवल दिल्ली पुलिस का मान बढाया है बल्कि भारत का नाम भी रोशन किया है। सिपाही ज्योति ने इससे पूर्व भी अप्रैल माह में कजाकिस्तान में आयोजित सीनियर एशियन फ्री स्टाइल एवं ग्रीक रोमन स्टाइल कुश्ती प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीत कर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया था। वर्ष 1981 में जन्मी सिपाही ज्योति वर्ष 2009 में दिल्ली पुलिस में शामिल हुई और अपने इस अल्प समय की अवधि में ही उसने विभिन्न स्तर पर आयोजित कुश्ती प्रतियोगिताओं में अब तक 8 स्वर्ण, 2 रजत और 5 कांस्य पदक जीत कर इस बात को सिद्ध किया है कि महिलाएँ किसी भी क्षेत्र में कमत्तर नही हैं।

आईजीआई एयरपोर्ट मैट्रो पुलिस स्टेशन की नवनिर्मित बिल्डिंग का उद्घाटन

6 जून, 2014 को **संयुक्त पुलिस आयुक्त (नई दिल्ली परिक्षेत्र) श्री मुकेश कुमार मीणा** ने आईजीआई एयरपोर्ट पर मैट्रो पुलिस स्टेशन की नवनिर्मित बिल्डिंग का उद्घाटन किया। इस मैट्रो पुलिस स्टेशन की शुरूआत 22 सितम्बर 2010 को हुई थी परन्तु उचित भवन के अभाव में यह मैट्रो पुलिस स्टेशन राजा गार्डन पुलिस थाना परिसर में चलाया जा रहा था। आईजीआई एयरपोर्ट पर खुले इस नए थाने से मैट्रो यात्री लाभांवित होंगे। इस अवसर पर उपायुक्त पुलिस (रेलवे) श्री संजय भाटिया सहित काफी संख्या में अधिकारी एवं जवान उपस्थित थे।

विशेष पुलिस आयुक्त (परिचालन) के नेतृत्व में दिल्ली पुलिस की एक टीम ने सूरत (गुजरात) में सीसीटीवी व्यवस्था का अध्ययन किया

दिल्ली पुलिस की एक उच्चस्तरीय टीम ने जून माह के मध्य में (सूरत गुजरात) में क्रियान्वित सीसीटीवी व्यवस्था का अध्ययन किया। **विशेष पुलिस आयुक्त (परिचालन) श्रीमती एस. सुंदरी नंदा** के नेतृत्व में उपायुक्त पुलिस श्री नावेद मुमताज, अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस श्री सत्यवान गौतम व अन्य तकनीकी सहायकों की एक टीम ने गुजरात के सूरत का दौरा कर वहां सीसीटीवी व्यवस्था का गहन अध्ययन किया। सूरत में पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) व्यवस्था के तहत क्रियान्वित व्यवस्था की कामयाबी को ध्यान में रखते हुए उसका अध्ययन किया गया। वर्तमान में दिल्ली में सीसीटीवी व्यवस्था केन्द्र सरकार द्वारा उपलब्ध फंड से व्यवस्थित की जाती रही है। परन्तु भविष्य में दिल्ली में भी सीसीटीवी व्यवस्था पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) की मदद से चलाने की संभावना पर काम किया जा सकता है। टीम ने सूरत से लौटने के बाद अपनी रिपोर्ट माननीय उपराज्यपाल को प्रस्तुत कर दी।

जिला स्तर पर सड़क सुरक्षा समितियों का गठन

3 जून, 2014 को पृथ्वीराज रोड–तुगलक रोड गोल चक्कर पर ग्रामीण विकास मंत्री श्री गोपीनाथ मुंडे की सड़क हादसे में मृत्यु के बाद तथा 14 जून को यातायात पुलिस के सिपाही माना राम की कार चालक द्वारा टक्कर मार कर हत्या किये जाने के बाद माननीय उपराज्यपाल श्री नज़ीब जंग ने जिला स्तर सड़क सुरक्षा समितियों के गठन करने पर जोर दिया है। इन समितियों में स्थानीय प्रशासन व आम जनता की भागीदारी सुनिश्चित होगी। हर समिति कम से कम 3 माह में एक बैठक जरूर करेंगी और समिति के सभी सदस्य सड़क सुरक्षा से जुड़े मामलों पर विचार–विमर्श करने के साथ सुरक्षात्मक रणनीति तय करेगी।

मोटर वाहन अधिनियम के तहत जिला स्तर पर गठित सड़क सुरक्षा समितियों में हर जिला के डीएम/डीसी,डीसीपी ट्रैफिक, पीडब्लूडी, एमसीडी,एनडीएमसी व डीडीए के सुपरिंटेंडिग इंजीनियर, शिक्षा विभाग के डिप्टी डायरेक्टर, एमएलओ, और एसडीएम शामिल होंगे।

इन समितियों में शामिल सभी अधिकारियों एवं कर्मियों का मूल उद्देश्य सड़क संभावित क्षेत्रों पर सुरक्षात्मक कदम उठाना, उनमें सुधार करना, दुर्घटना पीड़ित को अल्प समय में चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराना, एबुलेंस की उपलब्धता और उनका सद्पयोग, अभिघात सुश्रुत केन्द्र व रक्त बैंकों में सुधार की संभावनाओं पर काम करना होगा। इसके अलावा सड़क सुरक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता उत्पन्न करने, इस संबंध में अभियान चलाने, पैदल यात्रियों की सुरक्षा संबंधी कदम उठाने जैसे विषयों पर भी काम करेंगी।

12 वर्षीय तरूण ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया


तरूण

पुलिस मुख्यालय में तैनात कां0 संजीव कुमार के सुपुत्र तरूण ने ड्राइंग, दौड़, चित्रकला व सजावट जैसी प्रतियोगिता में न केवल कई पदक व प्रमाण पत्र हासिल किये हैं बल्कि साइबर साइंस व प्रोकोम क्वीज जैसी प्रतियोगिता में अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय दिया है। राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित विभिन्न प्रकार की प्रतियोगितों में अपना श्रेष्ठ देने वाले तरूण की प्रतिभा पर दिल्ली पुलिस पब्लिक स्कूल के अध्यापक भी गौरव महसूस करते हैं। वजीराबाद स्थित दिल्ली पुलिस पब्लिक स्कूल की 5वीं कक्षा में पढ़ने वाले तरूण ने अपनी उपलब्धियों से न केवल अपने परिवार का बल्कि पुलिस विभाग का भी गौरव बढ़ाया है। अपने अध्यापकों एवं अभिभावकों को बात को एकाग्रता से सुनने वाला तरूण पढ़ाई के साथ–साथ खेल'–कूद प्रतियोगिता में भी बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेता रहा है। भविष्य में अच्छा बड़ा अफसर बनने की तमन्ना रखने वाले तरूण को भले ही अफसर बनने की प्रक्रिया, उनके दायित्व और शैक्षिक योग्यता का ज्ञान न हो परन्तु उसे इस बात का पूरा ज्ञान है कि कड़ी मेहनत, एकाग्रता और स्वस्थ शरीर के बल पर वह इस मुकाम को हासिल कर सकता है।

सर्वश्रेष्ठ बीट हैडकांस्टेबल सहित 15 कां/हैडकां प्रशंसा पत्र व नकद पुरस्कार से सम्मानित

विशेष पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) श्री दीपक मिश्रा के नेतृत्व में गठित चयन समिति ने माह जनवरी, 2014 के लिए **हैडकां0 अरविन्द कुमार** थाना पहाड़गंज (मध्य जिला) को सर्वश्रेष्ठ बीट हैडकां0 चुनते हुए उसे 20 हजार रूपये के नकद पुरस्कार व प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया है। जबकि 14 अन्य हैडकांस्टेबलों व कांस्टेबलों को भी उनकी उत्कृष्ट एवं शानदार सेवाओं के लिए नकद पुरस्कार व प्रशंसा पत्र से सम्मानित किया गया है। जिनमें हैडकां0 मोनू थाना कल्याणपुरी (पूर्वी जिला) को 12 हजार रूपये, **कां0 विनोद थाना** नंद नगरी (उत्तर–पूर्वी जिला) को 16 हजार रूपये, **हैडकां0 विकास मावी** थाना महरौली (दक्षिणी जिला) 14 हजार रूपये, **हैडकां0 कृष्ण कुमार** थाना ओखला (दक्षिण–पूर्वी जिला) 14 हजार रूपये, **कां0 बिजेन्द्र कुमार** थाना मायापुरी (पश्चिमी जिला) 12 हजार रूपये, **हैडकां0 राकेश कुमार** थाना नारायणा (दक्षिण–पश्चिमी जिला) 12 हजार रूपये, **हैडकां0 प्रवीण कुमार** थाना जहांगीरपुरी (उतर–पश्चिमी जिला) 12 हजार रूपये, **कां0 रविन्द्रकुमार** थाना सुलतानपुरी (बाहरी जिला) 16 हजार रूपये, **कां0 देवेन्द्र कुमार** थाना रूप नगर (उतरी जिला) 16 हजार रूपये, **कां0 मनोज** थाना मन्दिर मार्ग (नई दिल्ली जिला) 12 हजार रूपये, **हैडकां0 रविन्द्र सिंह** यातायात (नजफगढ़ सर्कल) 12 हजार रूपये, **हैडकां0 पवन कुमार**, **कां0 संदीप** व कां0 चालक **रोहित कुमार** पीसीआर (उत्तरी जोन) प्रत्येक को 10–10 हजार, रूपये, **कां0 अनिल कुमार** थाना कालकाजी मन्दिर (मैट्रो स्टेशन) 7 हजार रूपये तथा **कां0 योगिन्द्र पाल सिंह** थाना आनन्द विहार (रेलवे स्टेशन) को 10 हजार रूपये देकर प्रोत्साहित एवं सम्मानित किया गया। पी.सी.आर में तैनात **एस.आई (चालक) फूल सिंह** व **हैडकां0 राजेन्द्र सिंह** को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्यो के लिए फरवरी माह का सर्वश्रेष्ठ बीट आफिसर चुनते हुए दोनों को 15–15 हजार रूपये के नकद पुरस्कार व प्रंशसा पत्र से सम्मानित किया गया है। जबकि 14 अन्य हैडकांस्टेबलों एवं कांस्टेबलों को उनकी बेहतरीन कार्यक्षमता, निपुणता और कार्यदक्षता के लिए 6 हजार से लेकर 10 हजार रूपये तक के पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। जिनमें **कां0 नेमीचंद** थाना कल्याणपुरी (पूर्वी जिला) को 6 हजार रूपये, **कां0 बच्चू सिंह। हैडकां शंभू सिंह, कां0 शेर सिंह तथा कां0 जगत सिंह** (पीसीआर प्रत्येक को 15 हजार), **हैडकां0 सुभाष चंद** (थाना गीता कॉलोनी 10 हजार), **हैडकां0 अबधेश कुमार** थाना (हर्ष विहार–7 हजार), **कां0 लोमीश** (थाना कोटला मुबारकपुर– 7 हजार), हैडकां मनबीर (थाना जामिया नगर–7 हजार), **हैडकां0 संजय कुमार** (थाना तिलक नगर–10 हजार), **हैडकां दशरथ** (थाना सागर पुर 10 हजार), **कां0 संदीप** (थाना विजय विहार 10 हजार), **हैडकां0 जगदेव राज** (थाना हौजकाजी–7 हजार), **कां0 सचिन कुमार** (थाना कश्मीरी गेट 12 हजार), **कां0 रविन्द्र** (तुगलक रोड– 12 हजार), **हैडकां0 अब्दुल रशीद** (पटेल नगर ट्रैफिक सर्कल–9 हजार), **हैडकां0 चन्द्रवीर सिंह** (थाना शास्त्री पार्क मैट्रो स्टेशन– 10 हजार), **हैडकां0 ओमबीर त्यागी** (थाना हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन 10 हजार)।

श्रद्धांजलि

माह अप्रैल, 2014 में 17 पुलिसकर्मियों की सेवाकाल के दौरान विभिन्न कारणों से असमय मृत्यु हो गई। दिल्ली पुलिस परिवार दिवंगत साथियों के पीड़ित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट करता है। एसआई कन्हैया लाल, कां0 प्रहलाद शाह मीणा व कां0 सत्यपाल सिंह (पश्चिमी जिला), एसआई सिमोन कुल्लू (राष्ट्रपति भवन), एसआई रमेश कुमार (दक्षिणी जिला), एसआई जगबीर सिंह, हैडकां0 अजीत सिंह, कां0 प्रकाशवीर व कां0 श्याम सिंह (पीसीआर), कां0 दिनेश कुमार (उतर पश्चिमी जिला), हैडकां0 कैलाश चन्द (दक्षिण–पूर्वी जिला), हैडकां0 अनिल कुमार (बाहरी जिला), कां0 सतीश कुमार (सुरक्षा), महिला एएसआई निर्मला एक्का (उतर–पूर्वी जिला), हैडकां0 बिजेन्द्र सिंह व कां0 कृष्ण कुमार (प्रथम वाहिनी) तथा कां0 सतेन्द्र (यातायात)।

शुभकामनाएँ

सेवानिवृत्ति : माह मार्च, 2014 में 85 पुलिस अधिकारी एवं कर्मी सेवानिवृत हुए। जिनमें से 10 ने स्वैच्छा से सेवानिवृति ली है। सेवानिवृत होने वालों में शामिल हैं:– इंस्पेक्टर श्रवण कुमार व एसआई सतबीर सिंह **(पुलिस मुख्यालय)**, एएसआई सतबीर सिंह **(दक्षिणी जिला)**, एसआई धर्मबीर सिंह **(एफआरआरओ)**, एसआई प्रेम सिंह,एसआई कवंल सिंह व हैडकां0 सतपाल **(बाहरी जिला)**, एसआई रामनिवास, एसआई विजय सिंह, एसआई सुरेन्द्र कुमार, एसआई महेन्द्र कुमार हैडकां. धर्मबीर सिंह, कां0 रविन्द्र कुमार व एमटीएस भीष्म प्रसाद रगमी **(पीटीएस)**, हैडकां0 करतार सिंह **(मध्य जिला)**, एसआई बलजीत सिंह, एसआई ईश्वर सिंह, हैडकां0 बलबीर सिंह, हैडकां0 हरफूल सिंह, कां0 ईश्वर सिंह व कां0 हरीश कुमार **(उत्तर–पश्चिमी जिला)**, एसआई ईश्वर सिंह, एसआई चन्दर सिंह, एसआई धर्मबीर सिंह, एसआई जयपाल सिंह, एसआई अब्बरार अहमद खान, एएसआई बनवारी लाल, एएसआई नन्हें राम, एएसआई ओमप्रकाश, एएसआई ओमप्रकाश गिरी तथा एसआई ईश्वर सिंह **(पीसीआर)**, एएसआई शिशिलैन टी **(पूर्वी जिला)**, एसआई मांगे राम, एसआई कृष्ण चन्द्र, एसआई भूपेन्द्र सिंह, एएसआई प्रेम सिंह तथा कां0 चन्द्र शेखर **(पश्चिमी जिला)**, एसआई रमेशचन्द्र ,एएसआई सुरेशचन्द, एएसआई सुरजभान कां0 विजय कुमार, एसआई राजपाल सिंह **(एसपीयूडब्लूसी)**, एसआई एम.पी. गणेश, एसआई शेर मोहम्मद,एसआई जयभगवान, एएसआई सुखबीर सिंह व हैडकां0बलवान सिंह **(संचार शाखा)**, एसआई परमानंद एसआई बलदेव सिंह, एसआई चरण सिंह, एएसआई कमल कुमार व एएसआई रविपाल सिंह **(दक्षिण–पूर्वी जिला)**, एसआई धर्मबीर सिंह,एसआई सतपॉल चौधरी, एसआई गोपाल सिंह एसआई प्रेमचंद, एसआई सतबीर सिंह एएसआई शिवचंद, एएसआई ईश्वर सिंह हैडाकां0 परविन्दर कुमार **(सुरक्षा)**, एसआई जरनैल सिंह, एएसआई राज सिंह, एसआई राम कुमार, एसआई रविन्दर सिंह, एसआई सूरजभान, एसआई तेजपाल सिंह **(विशेष शाखा)**, एसआई ओमप्रकाश, एसआई कवंल सिंह, एएसआई दयानंद व हैडकां तेजपाल सिंह **(दक्षिण–पश्चिमी जिला)**, एसआई राम बाबू, एएसआई सुरेश कुमार (नई दिल्ली जिला), हैडकां0 रामकुमार सतर्कता शाखा, इंस्पेक्टर आजाद सिंह एसआई धर्मबीर सिंह हैडकां0 वेदप्रकाश **(प्रोविजिंग एंड लोजिस्टिक्स)**, एसआई दयाचंद व एसआई अतर सिंह यातायात तथा एसआई सुरेश कुमार व एसआई दलीप सिंह **(अपराध शाखा)**।

हमारे प्रतिभाशाली नौनिहाल



कार्तिक प्रसीद
पुत्र है.कां. प्रसीद कुमार
(पुलिस मुख्यालय) कक्षा 12



पूर्वा शर्मा
पुत्री है.कां. अनिल कुमार
(मध्य जिला) कक्षा 10 ग्रेड ए+



जैपनिश
पुत्री है.कां. रोहताश मलिक
(द.प. जिला) कक्षा 10 ग्रेड ए



मनीषा
पुत्री है.कां. सुमेर सिंह
(तृतीय वाहिनी) कक्षा 10 ग्रेड ए



अयाना कृष्णन
पुत्री है.कां उन्नीकृष्णन पिल्लई
कक्षा 10



शुभम चौधरी
पुत्र है.कां. नरेन्द्र पाल सिंह
(पुलिस मुख्यालय) कक्षा 12



सताक्षी
पुत्री एएसआई दिनेश कुमार
(पुलिस मुख्यालय) कक्षा 10 ग्रेड ए



सैय्यद अबरार अहमद
पुत्र है.कां. एस. नज़रूल्ला
(पुलिस मुख्यालय) कक्षा 10 ग्रेड ए



आकांक्षा धनखड़
पुत्री एएसआई सतेन्द्र धनखड़
(बाहरी जिला) कक्षा 10 ग्रेड ए

कर्तव्यनिष्ठ सिपाही माना राम को पुलिस सम्मान के साथ अंतिम विदाई



दिवंगत सिपाही माना राम

14 जून, 2014 की शाम जखीरा पुल पर तैनात यातायात पुलिस के एक कर्तव्यनिष्ठ सिपाही माना राम को एक रिट्ज कार सवार ने उस समय टक्कर मार दी जब वह उसे उसकी इच्छानुसार रास्ते से जाने के लिए मना कर रहा था। कार चालक पटेल नगर सर्कल में तैनात सिपाही माना राम को लगभग 150 फुट तक घसीटता हुआ ले गया। घायल सिपाही मानाराम को उसका साथी सिपाही तत्काल एक तिपहिया में निकट के अस्पताल ले गया जहां डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया गया। घटना की जानकारी मिलने पर यातायात



दिवंगत सिपाही माना राम को अंतिम विदाई देते हुए पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी

पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने शोक संतप्त परिवार को यथासंभव सरकारी एवं विभागीय आर्थिक सहायता मुहैया कराने की घोषणा की।

पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी तत्काल मौके पर पहुंचें। स्थानीय पुलिस ने इस संबंध में आरोपी चालक रमाकांत को गिरफ्तार कर लिया जबकि उसके साथ कार में सवार दो नाबालिगों को जुवेनाइल होम भेजा गया है।



विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात) श्री मुक्तेशचन्द्र श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए।

माननीय उपराज्यपाल श्री नज़ीब जंग ने दिवंगत कांस्टेबल माना राम के आश्रितों को 1 करोड़ रूपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है।

15 जून, 2014 की दोपहर टोडापुर स्थित ट्रैफिक पुलिस लाइन में दिवंगत सिपाही माना राम को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी, विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात) श्री मुक्तेशचन्द्र, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (यातायात) श्री शरद अग्रवाल सहित उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों ने अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भारी संख्या में यातायात पुलिस व स्थानीय पुलिस के अधिकारी व जवान उपस्थित थे। पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने घटना पर गहरा दुखः व्यक्त करते हुए कहा कि दिवंगत सिपाही माना राम पर पुलिस परिवार को गर्व हैं कि उसने अपने दायित्व को पूरी निर्भिकता और निष्ठा के साथ निभाया दुखः की इस घटी में समस्त दिल्ली पुलिस परिवार उसके परिजनों के गम में शामिल हैं।

मूलरूप से गांव पुरोहिता सेमी, थाना पोडूकलां, तहसील रियावाड़ी, नागौर (राजस्थान) के रहने वाले दिवंगत सिपाही मानाराम वर्ष 2010 में दिल्ली पुलिस में भर्ती हुए थे और लगभग तीन वर्ष पूर्व ही उनका विवाह हुआ था। परिवार में उनकी पत्नी, दो वर्षीय एक पुत्र, माता–पिता व दो अविवाहित बहनें हैं। पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने कहा कि शोक संतप्त परिवार को यथासंभव सरकारी एवं विभागीय आर्थिक सहायता मुहैया कराई जायगी। जिसमें अनुकम्पा के आधार पर नौकरी, आपात फंड, एक्सिस बैंक मदद, पेंशन आदि जो भी प्रावधान होंगे। उन्होंने कहा कि दिल्ली वासी भी माना राम की शाहदत से सबक लेंगे और यातायात नियमों के प्रति जागरूक होंगे। परिजनों की इच्छानुसार टोडापुर स्थित ट्रैफिक लाइन में गार्ड ऑफ ऑनर देने के बाद सिपाही माना राम के पार्थिव शरीर को पुलिस टुकड़ी के साथ उसके पैतृक निवास भेजा गया। माननीय उपराज्यपाल श्री नज़ीब जंग ने दिवंगत सिपाही माना राम के परिजनों को एक करोड़ रूपये की सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की। इसके अलावा पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी ने इस मामले की जांच के लिए एसआईटी (विशेष जांच टीम) की घोषणा की। एसीपी राजौरी गार्डन (आईपीएस) डॉ0 ईश सिंघल की देखरेख में गठित यह टीम मामले की जांच कर अतिशीघ्र अपनी रिपोर्ट वरिष्ठ अधिकारियों को सौंपेगी।



दिवंगत कां. माना राम के पिता जी अपने पुत्र को अश्रुपूर्ण विदाई देते हुए।

30 जून, 2014 को सेवानिवृत पुलिस अधिकारी



एसीपी हरनाथ मीणा (मध्य जिला)



एसीपी श्री बनी सिंह (उत्तर-पूर्वी जिला)



एसीपी श्री मुरारी लाल शर्मा (उत्तर-पूर्वी जिला)



एसीपी श्रीमती कमलेश कुमारी (पीएंडएल)



एसीपी श्री अशोक कुमार (विशेष शाखा)



एसीपी श्री बिशन मोहन (विशेष शाखा)



एसीपी श्री हरपाल (दक्षिणी जिला)

हमारी आचार संहिता

पुलिस विभाग में अनुशासन का वही स्थान है, जो शरीर में रक्त का। जैसे दूषित रक्त से शरीर में अपंगता आ जाती है, ठीक उसी प्रकार से पुलिस जैसे अनुशासित विभाग के किसी भी तंत्र में अनुशासनहीनता आने पर उसमें शिथिलता आने लगती है। इसलिए पुलिस में अनुशासन और शरीर में रक्त का संचालन सदैव बना रहना अति आवश्यक है।

स्थानांतरण एवं पदोन्नति

3 जून, 2014 को जारी स्थानांतरण आदेशः श्री मोहम्मद ताज हसन (87) विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात) से विशेष पुलिस आयुक्त **(अपराध),** श्री मुक्तेश चन्द्र (88) संयुक्त पुलिस आयुक्त पदोन्नति के बाद विशेष पुलिस आयुक्त (यातायात), श्री एस.बी.के. सिंह (88) संयुक्त पुलिस आयुक्त पदोन्नति के बाद विशेष पुलिस आयुक्त (गुप्तचर) श्रीमती शिवांगमी सुन्दरी नंदा (88) संयुक्त पुलिस आयुक्त सतर्कता से पदोन्नति के बाद विशेष पुलिस आयुक्त (परिचालन), श्री सतीश गोलचा (92) अंडमान निकोबार से स्थानांतरित होने पर संयुक्त पुलिस आयुक्त (आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ), श्री सुनील गर्ग संयुक्त पुलिस आयुक्त (राष्ट्रपति भवन) से संयुक्त पुलिस आयुक्त (परिचालन), श्री रोबिन हिबू (93) संयुक्त पुलिस आयुक्त ट्रैनिंग से संयुक्त पुलिस आयुक्त (एसपीयूडब्लूएंडसी), श्री राजेश खुराना (94) दादर नगर हवेली से स्थानांतरित होने पर संयुक्त पुलिस आयुक्त (राष्ट्रपति भवन), श्री एस.दास (94) तैनाती के इंताजर के बाद संयुक्त पुलिस आयुक्त (लाइसेंसिंग), श्री रविन्द्र यादव (95) अतिरिक्त आयुक्त पुलिस अपराध से संयुक्त पुलिस आयुक्त (अपराध), श्री के.सी. द्विवेदी (95) अतिरिक्त आयुक्त पुलिस सुरक्षा से पदोन्नत होने पर संयुक्त पुलिस आयुक्त (सुरक्षा), श्री अनिल शुक्ला (96) अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (यातायात) से संयुक्त पुलिस आयुक्त (यातायात), श्री पालदान (96) अतिरिक्त आयुक्त (पीसीआर) से पदोन्नति के बाद संयुक्त पुलिस आयुक्त (सुरक्षा पीएम), श्री शरद अग्रवाल (97), अंडमान निकोबार से स्थानांतरित होने पर अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (यातायात), श्री अनिल कुमार ओझा (98) अरूणाचल प्रदेश से स्थानांतरित होने पर (प्रिसिंपल पीटीसी), श्री पी.सी. होता (2000) उपायुक्त पुलिस एसपीयूडब्लूएसी से पदोन्नत होने के बाद अतिरिक्त आयुक्त (सुरक्षा पीएम), श्री एच.एम.मीणा (2001) मिजोरम से स्थानांतरित होने पर उपायुक्त पुलिस (राष्ट्रपति भवन) श्री राम कुमार वर्मा (2001) अंडमान निकोबार से स्थानांतरित होने पर उपायुक्त पुलिस (सुप्रीम कोर्ट सुरक्षा), श्री डूमब्रे मिलिंद (मिजोरम) से उपायुक्त पुलिस (विशेष शाखा), श्री जतिन नरवाल (2006) प्रतिनियुक्ति से वापिस आने पर उपायुक्त पुलिस (सुरक्षा) श्रीमती मोनिका भारद्वाज (2009) पुदुचेरी से स्थानांतरित होने पर (अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस–1 पश्चिमी जिला) तथा श्री अमित राय (दानिप्स 95) उपायुक्त पुलिस राष्ट्रपति भवन से उपायुक्त पुलिस (सुरक्षा)। **9 जून, 2014 को जारी स्थानांतरण आदेशः** श्री राजवीर सिंह (एग्मू 2006) उपायुक्त पुलिस (यातायात) से अरूणाचल प्रदेश, सुश्री उर्विजा गोयल एसडीपीओ शाहदरा से चंडीगढ़ तथा श्री पवन कुमार एसडीपीओ कनाट प्लेस से चंडीगढ़।

26 जून, 2014 को जारी स्थानांतरण आदेश

श्री वी.वी. चौधरी (98)अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (उत्तर–पूर्वी जिला) से अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (मुख्यालय), श्री ए.एस.चीमा (2000) अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (यातायात) से अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (विशेष्ठ प्रकोष्ठ), श्रीमती सिधूं पिल्लई (2001) उपायुक्त पुलिस (उत्तरी जिला) से उपायुक्त पुलिस (सतर्कता), श्री जोन नोहलिया (2003) अति उपायुक्त पुलिस (उतरी जिला) से उपायुक्त पुलिस (यातायात, उत्तरी), श्री राजीव रंजन (2004) अति उपायुक्त पुलिस(सुरक्षा पीएम) से उपायुक्त पुलिस (पीसीआर), श्री मधुर वर्मा (2005) अति उपायुक्त पुलिस (नई दिल्ली जिला) से उपायुक्त पुलिस (उतरी जिला), श्री आर.ए. संजीव (2005) उपायुक्त पुलिस (सतर्कता) से उपायुक्त पुलिस (उतर–पूर्वी जिला), श्री विक्रम जीत सिंह (2006) अति.उपायुक्त पुलिस–1 (बाहरी जिला) से उपायुक्त पुलिस (बाहरी जिला), श्री जतिन नरवाल (2006) अति.उपा.पुलिस (सुरक्षा पीएम) से अति.उपायुक्त पुलिस –1 (नई दिल्ली जिला), श्री चिन्मॉय बिस्वाल (2008) अंडमान निकोबार से अति.उपायुक्त पुलिस –1 (द0–प0 जिला), सुश्री बैनिटा मैरी जयकर (2010) एसीपी वंसत विहार से पदोन्नत होने पर उपायुक्त पुलिस (लाइसेसिंग), श्री अमित शर्मा (2010 एसीपी सीलमपुर से पदोन्नत होने पर उपायुक्त पुलिस (यातायात–सीआर रेंज), डॉ0 ईश सिंघल (2010 एसीपी राजौरी गार्डन से पदोन्नत होने पर अति.उपा.पुलिस–1 (बाहरी जिला), श्री ब्रिजेंद्र कुमार यादव (2010) एसीपी से पदोन्नति के बाद अति उपा. पुलिस–1 (उतरी जिला), श्रीमती स्वेता चौहान (2010) एसीपी कमला मार्केट से पदोन्नति के बाद अति.उपा. पुलिस–11(नई दिल्ली जिला), सुश्री चंदन चौधरी (2010) एसीपी विकासपुरी से पदोन्नति के बाद उपायुक्त पुलिस (यातायात पश्चिमी रेंज), श्री राजकुमार झा (दानिप्स 87) उपायुक्त पुलिस (पी एंड एल) उपायुक्त पुलिस (यातायात मुख्यालय), श्री शरत कुमार सिन्हा (दानिप्स 94) उपायुक्त पुलिस (यातायात पश्चिमी रेंज) से (पी एंड एल), श्री सत्यवीर सिंह कटारा (दानिप्स 96) अति.उपा.पुलिस (पीसीआर एमटी) अति. उपायुक्त पुलिस (सुरक्षा), श्री दिनेश कुमार गुप्ता (दानिप्स 96) अति.उपा.पुलिस दक्षिण पश्चिमी जिला से उपा पुलिस (अपराध–उत्तरी), श्री मोहम्मद अख्तर रिज़वी (दानिप्स 97) अति.उपा. पुलिस (सुरक्षा पीएम) से अति0उपायुक्त पुलिस (अपराध), श्री राजेश देव (दानिप्स 97) अति.उपा.पुलिस (सुरक्षा) से अति.उपा.पुलिस –11(दक्षिण–पश्चिमी जिला), श्री मोहम्मद अली (दानिप्स 97)अति.उपायुक्त पुलिस (लाइसेसिंग)से अति.उपा.पुलिस–11 (दक्षिण–पूर्वी जिला), श्री कुमार ज्ञानेश (दानिप्स 97) उपायुक्त पुलिस (अपराध) से अति.उपा.पुलिस (सुरक्षा पीएम), श्री ए.के लाल (दानिप्स 97) अति.उपा पुलिस –11 (नई दिल्ली जिला) से उपायुक्त पुलिस (डी,ई सैल), श्री जितेन्द्र मणी (दानिप्स 2002) अति.उपा.पुलिस (पीसीआर) से अति.उपा.पुलिस–11 (उतर–पूर्वी जिला), श्री रवि शंकर उपायुक्त पुलिस 11 (दक्षिण–पश्चिमी जिला) से अति.उपा.पुलिस (पीसीआर), सुश्री उषा रंगनामी एसीपी कालका जी से एसीपी वसंत विहार, श्री जसबीर सिंह एसीपी दक्षिण–पूर्वी जिला से एसीपी कालका जी, श्री आनन्द कुमार मिश्रा उतर–पूर्वी जिला से एसीपी सीलमपुर श्री सुकांत शैलजा वल्लभ मध्य जिला से एसीपी कमला मार्केट, श्री धीरेन्द्र प्रताप सिंह उतरी जिला से एसीपी कनॉट प्लेस, श्री निशांत गुप्ता बाहरी जिला से एसीपी हौज खास, श्री संदीप लाम्बा दक्षिणी जिला से एसीपी गोकुलपुरी, श्री बी.एस.मान एसीपी भ्रष्टाचार से एसीपी राजैरी गार्डन, श्री संतोष कुमार आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ से एसीपी भ्रष्टाचार, श्री राजेन्द्र सिंह मंकू एसीपी लाइसेसिंग से एसीपी आईजीआई एयरपोर्ट, श्री सतीश चन्द्र एसीपी आईजीआई एयरपोर्ट से एसीपी लाईसेसिंग।





विशेष पुलिस आयुक्त (अपराध) श्री धर्मेन्द्र कुमार के मिजोरम स्थानांतरित होने पर 2 जून, 2014 को पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक सादे समारोह में उन्हें वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने विदाई दी। पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी एवं विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशासन) श्री आलोक कुमार वर्मा ने श्री धर्मेन्द्र कुमार को गुलदस्ता भेंट कर उन्हें नए दायित्व की सफलता के लिए शुभकामनाएँ दी। इस अवसर पर विशेष पुलिस आयुक्त श्री दीपक मिश्रा, श्री जे.के. शर्मा, श्री एस.बी.के.सिंह, श्रीमती एस.सुन्दरी नंदा, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री संजय बेनीवाल, श्री संदीप गोयल, श्री तेजेन्द्र लूथरा, श्री आर.एस. कृष्णैया, श्री दीपेन्द्र पाठक, श्री अनिल शुक्ला एवं श्रीमती गरिमा भटनागर उपस्थित थे।



4 जून 2014 को युगांडा के एक प्रतिनिधि मंडल ने पुलिस मुख्यालय में पुलिस आयुक्त श्री भीम सैन बस्सी से शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर परस्पर स्मृति चिन्ह भेंट करने के साथ-साथ कानून व्यवस्था से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया। इस प्रतिनिधि मंडल में युगांडा के पुलिस अधिकारियों के अलावा अन्य प्रशासनिक अधिकारी भी शामिल थे।

पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर उत्कृष्ट सेवाओं के लिए दिल्ली पुलिस सम्मानित



24 जून, 2014 को पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर दिल्ली पुलिस को उसकी उच्च स्तरीय सेवाओं के लिए तथा तीव्र गति से अपने कार्य को निष्पादित करने के लिए सम्मानित किया गया है। विशेष पुलिस आयुक्त (गुप्तचर) श्री एस.बी.के.सिंह ने 24 जून को आयोजित एक कार्यक्रम में माननीय विदेश मंत्री श्रीमती सुषमा स्वराज से एक प्रतीक चिन्ह् और प्रमाण पत्र दिल्ली पुलिस की तरफ से ग्रहण किया। वर्ष 2013–14 के दौरान पासपोर्ट आवेदन पत्रों की पुलिस जांच को यथाशीघ्र समय में पूरा कर संबंधित कार्यालय को प्रेषित करने के लिए दिल्ली पुलिस को इस 'High Certificate of Recognition Award ' से सम्मानित किया गया है।

केले के गुच्छे की चोरी



इतिहास के पन्नों से

मुकदमा सं. 2/46, धारा 379 भा.दं.सं. दिनांक 06.10.1899 थाना अलीपुर

संक्षिप्त तथ्य : मुद्दई मोहन वल्द लक्ष्मण, जात माली, गाँव बाग शालीमार ने शिकायत दर्ज कराई कि सतीश वल्द मानक गाँव हैदरपुर ने उसके बाग से डेढ़ रूपये कीमत के केले के दो गुच्छे चोरी कर लिए।

नतीजा : अदालत ने मुजरिम से एक रूपया वापस कराया। (7/10/1899)

कलकल

सम्पादक: जन-सम्पर्क अधिकारी, दिल्ली पुलिस राजन भगत एवं सह-सम्पादक: उप-नि. सतबीर सिंह। पुलिस मुख्यालय नई दिल्ली